শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 33 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत का तेजी से विकास करना आवश्यक : राजनाथ पेज 2
असम में अस्थिर माहौल बनाने के पीछे कांग्रेस का हाथ : भाजपा पेज 3
कांग्रेस के भ्रष्टाचार का स्मारक है कानपुर का लाल इमली : सीएम योगी आदित्यनाथ पेज 5
युकी भांबरी, श्रीराम बालाजी ने शुरुआती दौर के युगल मैच जीते पेज 7

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भाग्य के विपरीत होने पर अच्छा कर्म भी दुःखदायी हो जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

प. बंगाल विस में तीन सितंबर को पेश होगा दुष्कर्म विरोधी बिल

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार ने दुष्कर्म विरोधी बिल को विधानसभा में पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके तीन सितंबर को विधानसभा में पेश किए जाने की संभावना है। विधानसभा सचिवालय के एक अधिकारी के अनुसार, बिल का मसौदा को तैयार करने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश ने जमात-ए-इस्लामी से प्रतिबंध हटाया

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार ने देश की मुख्य इस्लामिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी और उसके समूहों पर से प्रतिबंध हटा दिया है। सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि *आतंकवादी गतिविधियों* में उनकी संलिप्तता का कोई सबूत नहीं मिला है। इससे पहले बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार ने आतंकवाद विरोधी कानून के -शेष पृष्ठ दो पर

अब निकाह हो या तलाक... हर मुस्लिम को कराना होगा रजिस्ट्रेशन

राज्य सरकार ने विधेयक किया पास

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा ने असम मुस्लिम विवाह और तलाक अनिवार्य पंजीकरण विधेयक 2024 पारित कर दिया है। इस अधिनियम के तहत विवाह को पंजीकृत करना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने इस विधेयक के पारित होने के बाद आज के दिन को ऐतिहासिक बताया। असम विधानसभा में राज्य के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री जोगेन मोहन ने मंगलवार को असम मुस्लिम विवाह और तलाक अनिवार्य पंजीकरण विधेयक पेश किया था। जिसे एक लंबी चर्चा के बाद विपक्ष की आपत्तियों का निराकरण करने के बाद पारित किया गया। सदन में विपक्ष के उठाए सवालों का मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बड़ी बेबाकी के साथ जवाब दिया और विपक्ष की सभी शंकाओं का निराकरण किया। चर्चा के दौरान मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और एआईयूडीएफ के विधायकों ने अपनी आपत्तियों को सदन के पटल पर रखा। विपक्ष के प्रश्नों का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि काजियों के किए गए विवाहों के सभी पूर्व पंजीकरण वैध रहेंगे और केवल नए विवाह ही कानून के दायरे में आएंगे। उन्होंने कहा कि हम मुस्लिम कार्मिक -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष अदालत जाने पर कर रही है विचार

गुवाहाटी। असम की मुख्य विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) ने आज कहा कि वह मुसलमानों के विवाह और तलाक का अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करने के हिमंत विश्व शर्मा सरकार के फैसले के खिलाफ अदालत जाने पर विचार करेगी। असम विधानसभा ने आज असम अनिवार्य मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण विधेयक, 2024 पारित कर दिया, जिसे राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री जोगेन मोहन ने मंगलवार को पेश किया था। एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम ने कहा कि वे विधेयक से सहमत नहीं हैं। इस्लाम ने कहा कि इसमें कई खामियां हैं, जिन्हें हमने इंगित किया है। हम चाहते हैं कि पहले संशोधन लाया जाए। हालांकि मुख्यमंत्री ने संशोधन का आश्वासन दिया है, लेकिन यह विधेयक विशेष विवाह अधिनियम का विस्तार जैसा लग रहा है, जो हमें स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि विशेष विवाह अधिनियम किसी भी धर्म के लिए है, जबकि असम विधेयक केवल मुसलमानों के लिए है, -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के चार जिलों में सह-राजभाषा बनी मणिपुरी

गुवाहाटी। असम विधानसभा ने गुरुवार को असम राजभाषा संशोधन विधेयक 2024 पारित किया, जिसके तहत मणिपुरी को बराक घाटी के तीन जिलों- कछार, हैलाकांदी और करीमगंज के साथ-साथ होजाई में सह-राजभाषा बना दिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम विधानसभा के शरदकालीन सत्र के चौथे दिन बोलते हुए कहा कि असम के चार जिलों में मणिपुरी भाषा को सह-राजभाषा बनाने के फैसले से इस भाषा को बोलने वाले लोगों को बहुत लाभ होगा। असम राजभाषा (संशोधन) विधेयक पर बोलते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि असम सरकार की भर्ती परीक्षाओं में अब मणिपुरी भाषा चुनने का विकल्प शामिल होगा, -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में भूमि एवं राजस्व विनियमन संशोधन विधेयक पारित

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की कि असम भूमि और राजस्व विनियमन (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2024 पारित हो गया है। यह विधेयक असम भूमि एवं राजस्व विनियमन अधिनियम, 1886 में अध्याय 12 को शामिल करता है, जो सरकार को 250 वर्ष से अधिक पुरानी संरचनाओं के चारों ओर *विरासत बेल्ट और ब्लॉक* नामित करने की अनुमति देता है। यह कानून इन धरोहर स्थलों के 5 किलोमीटर के दायरे में भूमि के लेन-देन को उन निवासियों तक सीमित करता है जो कम से कम तीन पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं। शर्मा ने असम विधानसभा में -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने स्वदेशी हिंदू विधायकों को दबाने के लिए विपक्ष की आलोचना की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को विपक्ष की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने विधानसभा में स्वदेशी हिंदू विधायकों को भाषण नहीं देने देने की प्रवृत्ति विकसित कर ली है। असम भूमि और राजस्व विनियमन (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा के दौरान, शर्मा ने अपनी पार्टी के विधायक भुबन पेगु के भाषण को बाधित करने के लिए विपक्षी सदस्यों की भी आलोचना की। शर्मा ने कहा कि सदन में स्वदेशी हिंदू विधायकों को बोलने की अनुमति न देने की नई प्रवृत्ति है और उन्होंने इसे एक खतरनाक प्रवृत्ति बताया। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वे आक्रामक न हों और उनकी जमीन पर कब्जा करने के बाद विधानसभा पर कब्जा करने की कोशिश न करें। पेगू तत्कालीन पूर्वी बंगाल से असम में लोगों के कथित प्रवास और आक्रमण के संबंध में पुराने विधानसभा रिकॉर्ड का हवाला देते हुए बयान दे रहे थे। शर्मा ने -शेष पृष्ठ दो पर

वर्ष 2026 तक बंद होगा बाल विवाह : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को सदन में कहा कि राज्य वर्ष 2026 तक राज्य में बाल विवाह पर रोक लगा दी जाएगी। बाल विवाह राज्य के बाहर हो सकता है, लेकिन असम में बाल विवाह नहीं होगा। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा विधानसभा के शरदकालीन सत्र के चौथे दिन असम सरकार के मंत्री जोगेन महन के सदन में पेश किए गए द *असम रिपिलिंग बिल 2024* पर चर्चा के दौरान संबोधित कर रहे थे। सदन में द असम रिपिलिंग बिल 2024 पारित कर दिया गया है। इसके मद्देनजर असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम 1935 को निरस्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा में कहा कि वर्ष 2026 तक बाल विवाह पर रोक लगा दी जाएगी। बाल विवाह राज्य के बाहर हो सकता है, लेकिन असम में बाल विवाह नहीं होगा। सदन में चर्चा के दौरान सदस्य रफीकुल इस्लाम ने कहा कि कई अरबी विद्वान और सरकारी शिक्षक काजी के रूप में काम कर रहे हैं। गुवाहाटी के केंद्रीय काजी भी शिक्षक हैं। असम में बहुत अधिक काजी नहीं हैं। राज्य में सिर्फ 90 काजी हैं। रफीकुल इस्लाम के बयान का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 90 काजियों की चिंता मत करिए। मुस्लिम लड़कियों के लिए न्याय के बारे में सोचिए। रफीकुल इस्लाम अपनी दो बेटियों के न्याय के बारे में सोचे बिना काजियों के बारे में सोच रहे हैं। मैं काजियों को संभाल लूंगा। काजियों को बंद करने के उद्देश्य से इस अधिनियम को निरस्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हमें सब -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा नेताओं के सामने जेडीयू ने मिलाया विपक्ष के सुर में सुर

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जातिगत गणना का मुद्दा गर्माने लगा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार जातिगत गणना का मुद्दा उठा रहे हैं। उनका कहना है कि कोई भी शक्ति इसे रोक नहीं सकती है। अब केंद्र में भाजपा की सहयोगी जदयू ने गुरुवार को विपक्ष के सुर में सुर मिलाया। पार्टी ने अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी संसदीय समिति में चर्चा के लिए जातिगत गणना को विषय के रूप में शामिल करने की मांग की है। द्रमुक के सदस्य टीआर बालू ने समिति की पहली बैठक में यह मुद्दा उठाया। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस सदस्य -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता कांड में नया पेच

ट्रेनी डॉक्टर के डेथ सर्टिफिकेट में बदला मौत का समय

कोलकाता। कोलकाता में डॉक्टर से रेप कर हत्या मामले में नया मोड़ आ गया है। आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या का मामला अभी तक नहीं सुलझा है। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है, लेकिन अभी तक सिविक वॉलेंटियर संजय रॉय को छोड़कर और किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इस बीच डॉक्टर की मौत को लेकर पूछताछ में लगातार विसंगतियां सामने आ रही हैं। ट्रेनी डॉक्टर की मौत के बाद श्मशान घाट से दिए गए डेथ सर्टिफिकेट ने अब नया विवाद खड़ा कर दिया है। 9 अगस्त की सुबह आरजी कर के सेमिनार रूम से डॉक्टर का शव बरामद किया गया था। शाम को खबर उनके परिवार तक पहुंची। पुलिस मौके पर गई, तब तक आरजी कर के जूनियर डॉक्टरों ने विरोध शुरू कर दिया। फोरेंसिक जांच के बाद उसी दिन पीड़िता का पोस्टमार्टम किया गया। फिर रात में शव माता-पिता को सौंप दिया गया। उस रात को दाह संस्कार किया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता की मौत 9 अगस्त को सुबह 3 से 6 बजे के बीच हुई। अब एक रिपोर्ट के अनुसार पानीहाटी के जिस श्मशान में पीड़िता का अंतिम संस्कार किया गया, -शेष पृष्ठ दो पर

शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने की जांच करेगी नौसेना की संयुक्त समिति

नई दिल्ली (हि.स.)। महाराष्ट्र के राजकोट किले में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने से हुए नुकसान की जांच करने के लिए संयुक्त तकनीकी समिति बनाई गई है। भारतीय नौसेना की अध्यक्षता में महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ समिति का गठन किया गया है, जो जल्द से जल्द प्रतिमा की मरम्मत और पुनर्स्थापना के रास्ते भी तलाशेगी। मुंबई से लगभग 480 किमी दूर सिंधुदुर्ग जिले के मालवन -शेष पृष्ठ दो पर

चीन के कर्ज जाल में डूबा मालदीव

विदेशी मदद के लिए राष्ट्रपति मुइज्जू ने फैलाए हाथ

माले। श्रीलंका की तरह चीन के ऋणजाल में फंस चुके मालदीव में आर्थिक संकट गहराता जा रहा है, जिससे देश की राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक संतुलन पर खतरा मंडरा रहा है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के कार्यकाल में देश का कर्ज लगातार बढ़ रहा है, विदेशी मुद्रा भंडार घट रहे हैं, और विदेशी सहायता पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, खासकर चीन से। मार्च 2024 तक, मालदीव का कुल कर्ज 8.3 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो देश की जीडीपी का 110 फीसदी है। इसमें से 3.4 अरब डॉलर का बाहरी कर्ज है, जो जीडीपी का 45 फीसदी है। चीन का मालदीव पर 1.11 अरब अमेरिकी डॉलर का कर्ज है, जो मालदीव की जीडीपी का 14.77 फीसदी और बाहरी कर्ज का 32.8 फीसदी है। इस स्थिति ने मालदीव की आर्थिक स्वतंत्रता और राजनीतिक संतुलन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संकट से -शेष पृष्ठ दो पर

हिमाचल के छह जिलों में बाढ़ की चेतावनी, 134 सड़कें बंद

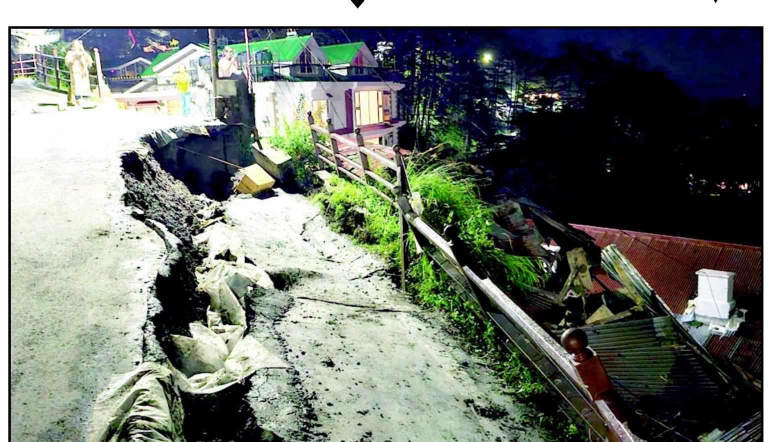

शिमला (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में मानसून कहर बनकर बरस रहा है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में बीती रात से बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने राज्य के मैदानी व मध्यपर्वतीय इलाकों में आज भारी बारिश, मेघगर्जन और बिजली कड़कने का येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही अगले 24 घण्टे यानी शुक्रवार 5:30 बजे तक आधे हिमाचल में अचानक बाढ़ आने की चेतावनी जारी की है। मौसम विज्ञान विभाग ने आगाह किया है कि राज्य के छह जिलों चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला, सोलन और सिरमौर में फ्लैश फ्लड आने की आशंका है और लोग घरों से बाहर निकलते समय एहतियात बरतें। स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले सैलानियों को भूस्खलन संभावित इलाकों की यात्रा न करने और नदी-नालों से दूर रहने की सलाह दी गई है। आगामी चार सितंबर तक प्रदेश भर में मौसम के खराब रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने तीन सितंबर को भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। अगस्त महीने में सामान्य से ज्यादा बरसात हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक गुरूवार सुबह तक राज्य में भूस्खलन से एक नेशनल हाइवे और 134 सड़कें ठप हैं। किन्नौर जिला में नेशनल हाइवे संख्या पांच अवरुद्ध हुआ है। शिमला जिले में 59, सिरमौर में 28, कुल्लू व मंडी में 16-16, कांगड़ा में 10 सड़कें बंद हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत का तेजी से विकास करना आवश्यक : राजनाथ

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत एक विकसित देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमारे लिए आज के भू-राजनीतिक परिदृश्य में रक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से विकास करना आवश्यक है। आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ हमें एक मजबूत सेना की भी आवश्यकता है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है कि हमारे सैनिकों के पास भारतीय धरती पर बने उच्च गुणवत्ता वाले हथियार और प्लेटफॉर्म हों। विशाखापट्टनम में अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी *आईएनएस अरिघाट* को भारतीय नौसेना में शामिल किए जाने के मौके पर रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि *अरिघाट* पनडुब्बी से भारत की परमाणु ताकत को मजबूत होने के साथ ही क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन और शांति स्थापित होगी। राजनाथ सिंह ने इस क्षमता को हासिल करने में भारतीय नौसेना, डीआरडीओ और उद्योग की कड़ी मेहनत और तालमेल की सराहना की। उन्होंने इस आत्मनिर्भरता को आत्मशक्ति की नींव बताया। उन्होंने इस तथ्य की सराहना की कि देश के औद्योगिक क्षेत्र, विशेष रूप से एमएसएमई को इस परियोजना के माध्यम से भारी बढ़ावा मिला है और अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। भारत को परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र के समकक्ष खड़ा करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की राजनीतिक इच्छाशक्ति को याद करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आज भारत एक विकसित देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमारे लिए रक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से विकास करना आवश्यक है, खासकर आज के भू-राजनीतिक परिदृश्य में। आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ हमें एक मजबूत सेना की भी आवश्यकता है। हमारी सरकार सैनिकों को भारतीय धरती पर बने उच्च गुणवत्ता वाले हथियार और प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापट्टनम में पूर्वी नौसेना कमान बेस पर आईएनएस अरिघाट को भारतीय नौसेना में शामिल करने से पहले गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि आईएनएस अरिघाट के निर्माण में उन्नत डिजाइन और विनिर्माण प्रौद्योगिकी, विस्तृत अनुसंधान और विकास, विशेष सामग्रियों का उपयोग, जटिल इंजीनियरिंग और अत्यधिक कुशल कारीगरी का उपयोग किया गया है। पनडुब्बी पर स्वदेशी रूप से की गई तकनीकी प्रगति इसे अपने पूर्ववर्ती अरिहंत की तुलना में काफी उन्नत बनाती है। आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघाट दोनों की मौजूदगी संभावित विरोधियों को रोकने और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की भारत की क्षमता को बढ़ाएगी।

पुरुषोत्तम अग्रवाल समेत सात विद्वानों को साहित्य अकादमी का भाषा सम्मान

नई दिल्ली (हि.स.)। साहित्य अकादमी ने वर्ष 2021 एवं 2023 के लिए सात विद्वानों को गुरुवार को भाषा-सम्मान से पुरस्कृत किया। उत्तरी क्षेत्र के कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य के लिए पुरुषोत्तम अग्रवाल और दक्षिणी क्षेत्र के लिए बेतवोलु रामब्रह्मम को पुरस्कृत किया गया। साहित्य अकादमी के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अकादमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने बताया कि पुरस्कृत रचनाकारों में कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य-2021- उत्तरी क्षेत्र के लिए पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं दक्षिणी क्षेत्र के लिए बेतवोलु रामब्रह्मम, कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य-2023- उत्तर क्षेत्र के लिए अवतार सिंह को और दक्षिण क्षेत्र के लिए केजी पौलोस को प्रदान किए गए। दुर्गा चरण शुक्ल को बुंदेली भाषा तथा साहित्य की समृद्धि में दिए गए उत्कृष्ट योगदान के लिए भाषा सम्मान वर्ष-2023 के लिए और रेंथ्लेइ ललरोना एवं रैजामा चौडथू को मिजो भाषा तथा साहित्य की समृद्धि के लिए दिए गए। दुर्गा चरण शुक्ल अस्वस्थता के कारण पुरस्कार ग्रहण करने नहीं आ सके। अलंकृत विद्वानों को पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपए की राशि, उत्कीर्ण ताम्रफलक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। भाषा-सम्मान अर्पण समारोह की अध्यक्षता साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने की। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि यह सम्मान हमारी ऋषि परंपरा का सम्मान है, जो एक तरह से भारतीय ज्ञान परंपरा का भी सम्मान है। हम इसे भारतीय ज्ञान का उत्सव कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि कालजयी और मध्यकालीन साहित्य को आम लोगों तक उनकी भाषा में पहुंचाने का बेहद महत्वपूर्ण कार्य इन भाषा विद्वानों ने किया है। अत: इनको पुरस्कृत कर साहित्य अकादमी भी अपने को सम्मानित होता हुआ महसूस कर रही है। भाषा सम्मान से अलंकृत पुरुषोत्तम अग्रवाल ने कहा कि यह सम्मान अर्जित करना मेरे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने काम के जरिए आरंभिक आधुनिक कालीन भारत खासकर उत्तर भारत को समग्रता में समझने की कोशिश की है। यह मेरी स्पष्ट समझ है कि 15वीं, 16वीं, 17वीं सदी का भारत उद्धार के लिए यूरोपीय आधुनिकता के अवतार की प्रतीक्षा करता भारत नहीं, स्वयं अपनी परंपरा से पनप रही आधुनिकता की ओर बढ़ता भारत था। हम अतीत से बहुत कुछ सीख सकते हैं लेकिन तभी जबकि अतीत के अतीतपन का सम्मान करते रहें। अपने स्वागत वक्तव्य में साहित्य अकादमी के सचिव श्रीनिवासराव ने कहा कि भारत का सारा ज्ञान मानव की भलाई के लिए है और वह समाज के हर वर्ग के लिए उपलब्ध है। हमारे ज्ञान का स्वरूप वैश्विक है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

NEUROLOGIST
Dr. P. Vijayashankar MD,DM(Neuro),Fellow in movement disorders(Canada)
Will be Available only for consultation at **Guwahati**
ON 8th September'2024

Patients suffering from fits, headache, paralysis, Epilepsy, chronic pains, slowness of movements, involuntary movement of body, face, neck, instability, giddiness, sleep disorders, poor memory, tiredness, back & neck pain, loss of consciousness, etc can register their names:

APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

एनकाउंटर में डकैत के पैर में लगी गोली अस्पताल में भर्ती

बरपेटा (हिंस)। अपराधियों के खिलाफ पुलिस का कड़ी कार्रवाई जारी है। बरपेटा में इस बार पुलिस हिरासत से भागने के दौरान एनकाउंटर में एक डकैत घायल हो गया, जिसे बाद में पकड़ लिया गया। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि मगरब अली मूल रूप से बरपेटा के गोराइमारी पथार गांव का निवासी है। उस पर राज्य के कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। एक एटीएम लूट के एक मामले में मगरब अली को बरपेटा पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया था। वह पुलिस को बीती रात उस जगह ले गया था, जहां उसने एटीएम लूट के पैसे छिपाए थे। इसी दौरान उसने पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश की। उसके हमले में गोहाईं नामक कॉन्स्टेबल घायल हो गया। आनन-फानन में पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए गोली चला दी, जो डकैत के दाहिने पैर में लगी, जिसके चलते वह घायल हो गया।

पूसीरे के 91 स्टेशनों पर अपग्रेड हो रहीं बुनियादी संरचना और सुविधाएं

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत अपने नेटवर्क के 91 स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य कर रहा है। जिससे रेल यात्रियों को एक आधुनिक और आरामदायक वातावरण सुनिश्चित हो सके। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया है कि अमृत भारत स्टेशन योजना की रूप रेखा के तहत स्टेशन भवनों के आधुनिकीकरण, पहुंच में सुधार और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने की योजना तैयार की गई है। कामाख्या, रंगिया, रंगापाड़ा नार्थ, धुबड़ी, लमडिंग, न्यू तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, डिफू, बारसोई, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू अलीपुरद्वार, रंगपो, अगरतला, उदयपुर, मेंदीपाथर, डिमापुर, नाहरलगुन आदि कुछ ऐसे स्टेशन हैं, जो अन्य स्टेशनों के अलावा पूसीरे में एबीएसएस के अधीन 91 स्टेशनों में शामिल हैं, जहां रूपांतरण कार्य तेजी से चल रहे हैं। आसान कनेक्टिविटी और पहुंच के लिए एफओबी का निर्माण, स्टेशन के सर्कुलेटिंग क्षेत्रों का विकास, यात्रियों के दो और चार पहिया वाहनों के लिए अतिरिक्त कवर्ड पार्किंग शेड, सामान्य और दिव्यांगजन यात्रियों के लिए आधुनिक शौचालय, शॉप कंप्लेक्स, बेहतर प्रतीक्षा क्षेत्र, आधुनिक टिंकटिंग प्रणाली के साथ विशाल क्षेत्र आदि कार्य न्यू माल जंक्शन, कोकराझार, फकीराग्राम, हासीमारा, धुबड़ी, गोसाईगांव हाट, गौरीपुर, धुपगुड़ी, दिनहाटा, दलगांव, बिन्नागुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, कामाख्यागुड़ी, लंका, होजाई, चापरमुख आदि स्टेशनों में चल रहे हैं।

रिश्वत लेते लॉट मंडल रंगे हाथ गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय ने तिनसुकिया जिले के दुमदुमा राजस्व मंडल के अंचल अधिकारी कार्यालय के लॉट मंडल (लेखपाल) जुखेश्वर मोरान को 15 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। लॉट मंडल भूमि म्यूटेशन संबंधी कार्यों के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत ले रहा था। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के अनुसार शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी कि दुमदुमा राजस्व मंडल के अंचल अधिकारी कार्यालय के लॉट मंडल जुखेश्वर मोरान ने भूमि म्यूटेशन संबंधी कार्यों के लिए 40 हजार रुपए मांगी थी। इस पर तर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक की टीम ने गुरुवार को दुमदुमा राजस्व मंडल के अंचल अधिकारी कार्यालय में जाल बिछा कर लॉट मंडल को जुखेश्वर मोरान को रिश्वत के एक हिस्से के रूप में 15 हजार रुपए लेने के तुरंत बाद कार्यालय में ही रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। टीम ने उसके कब्जे से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई। इस संबंध में एसीबी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

PRESS NOTICE

The Superintending Engineer, PWD Nagaon Building Circle, Nagaon on behalf of Governor of Assam invites item rate bids in electronic tendering system for the work **"Construction of New Ridhi Bhawan at Rabindranath Tagore University, Hojai, Assam, (At ground floor only of Block-B),** with an approximate value of work of **Rs. 79,45,957.00** from APWD registered Class-I (A/B/C)/ & Class-f (within this circle) contractors having experience of similar nature of work. Details of the bids may be seen at e-procurement portal website: www.assamtenders.gov. in and also in the office of the undersigned during office hours. The bidders must be enrolled in www.assamtenders.gov.in for participating in the bidding process.

Interested bidder must have to obtain one certificate from the concerned Executive Engineer, PWD, Hojai District Territorial Building Division, Hojai regardimg site visit of the proposed work. All the term and condition will be as per the bidding document. The press notice will be a part of bidding documents.

Sd/-
Superintending Engineer, PWD
Nagaon Building Circle, Nagaon

-- Janasanyog/C/2553/ 24/30-Aug-24

पृष्ठ एक का शेष

अब निकाह हो ...

कानून के तहत इस्लामी रीति-रिवाजों से संपन्न विवाहों में बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। हमारी एकमात्र शर्त यह है कि इस्लाम द्वारा निषिद्ध विवाहों का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि इस नए कानून के लागू होने से बाल विवाह पंजीकरण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बिल के उद्देश्य और कारण के कथन में कहा गया है कि विधेयक बाल विवाह और दोनों पक्षों की सहमति के बिना विवाह की रोकथाम के लिए प्रस्तावित किया गया है। मंत्री जोगेन महन ने कहा कि इससे बहुविवाह पर रोक लगेगी, विवाहित महिलाओं को वैवाहिक घर में रहने, भरण-पोषण आदि के अपने अधिकार का दावा करने में सक्षम बनाया जाएगा और विधवाओं को अपने पति की मौत के बाद अपने उत्तराधिकार के अधिकार और अन्य लाभ और विशेषाधिकारों का दावा करने में सक्षम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक पुरुषों को विवाह के बाद पत्नियों को छोड़ने से भी रोकेगा और विवाह संस्था को मजबूत करेगा। इससे पहले, मुस्लिम विवाह काजियों द्वारा पंजीकृत किए जाते थे। हालांकि, यह नया विधेयक यह सुनिश्चित करेगा कि समुदाय के सभी विवाह सरकार के पास पंजीकृत होंगे।

विपक्ष अदालत जाने ...

इसलिए दोनों कानून समान नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि वे अदालत जाने के बारे में सोचेंगे। विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने कहा कि चूंकि नया कानून मुस्लिम विवाह और तलाक के पंजीकरण से संबंधित है, इसलिए हमने कुछ संशोधनों का सुझाव दिया है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि यह मुस्लिम शरिया कानून में हस्तक्षेप नहीं करेगा। इससे पहले विवाह विधेयक पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए शर्मा ने कहा कि काजियों द्वारा किए गए सभी पूर्व पंजीकरण वैध रहेंगे तथा केवल नए विवाह ही इस कानून के दायरे में आएंगे। उन्होंने कहा कि हम मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत इस्लामी रीति-रिवाजों से होने वाली शादियों में बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। हमारी एकमात्र शर्त यह है कि इस्लाम द्वारा निषिद्ध शादियों का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नए कानून के लागू होने से बाल विवाह पंजीकरण पर पूरी तरह से रोक लग जाएगी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक पुरुषों को शादी के बाद अपनी पत्नी को छोड़ने से भी रोकेगा और विवाह संस्था को मजबूत करेगा। इससे पहले मुस्लिम विवाह का पंजीकरण काजियों द्वारा किया जाता था। लेकिन इस नए विधेयक से यह सुनिश्चित होगा कि समुदाय के सभी विवाह सरकार के पास पंजीकृत होंगे।

राज्य के चार जिलों ...

जो मणिपुर के युवाओं के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुरी भाषा को सह-राजभाषा के रूप में शामिल करने की लंबे समय से मांग की जा रही थी, जिसे आजादी के 77 साल बाद मौजूदा सरकार ने पूरा किया है। सीएम शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार सभी स्वदेशी भाषाओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और हमने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं, जिसमें स्कूलों में शिक्षा के माध्यम के रूप में कुछ भाषाओं को अधिसूचित करना शामिल है। हम अन्य भाषाओं को भी बढ़ावा देने के लिए इस दिशा में काम करते रहेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की ओर से संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका द्वारा पेश असम राजभाषा (संशोधन) विधेयक, 2024 को 22 अगस्त को पेश किया गया। विधेयक में एक नई धारा 5बी जोड़कर असम राजभाषा अधिनियम, 1960 में संशोधन करने का प्रयास किया गया है।

राज्य में भूमि एवं राजस्व...

विधेयक का समर्थन करने के लिए विधायकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिसका उद्देश्य मंदिर, नामघर और सत्र जैसे सांस्कृतिक स्थलों को संरक्षित करना है। इससे पहले 15 अगस्त को, हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि उनका मिशन असम के स्वदेशी लोगों की पहचान की रक्षा करना है, जो उनका मानना है कि महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय बदलाव के कारण खतरे में है। उन्होंने ऐतिहासिक स्थानों पर भूमि के हस्तांतरण को रोकने, अनुसूचित जनजातियों और अनुसूचित जातियों की भूमि को संरक्षित करने तथा सूक्ष्म जनजातीय बेल्ट प्रावधानों को लागू करने के लिए कड़े कानून बनाने की योजना की घोषणा की। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान शर्मा ने कहा कि मैं खुद जानता हूं कि असम में जनसंख्या बदल रही है, जनसांख्यिकी परिवर्तन, इस परिवर्तन ने आज असम के मूल लोगों को संरक्षित वातावरण में धकेल दिया है। मैं आने वाले दिनों में यह सुनिश्चित करने के लिए कई नए प्रयास करना चाहता हूं कि अविभाजित ग्वालपाड़ा जिले में आदिवासी और अन्य पिछड़ी जातियों की जमीन की बिक्री किसी भी परिस्थिति में अन्य समुदायों के पास न जा सके, हमने एक सख्त कानून लाने का फैसला किया है। यह निर्णय कोच राजबंशी, बोड़ो और राभा सहित अन्य के भूमि अधिकारों की रक्षा करेगा।

मुख्यमंत्री ने स्वदेशी ...

जनगणना का उदाहरण देते हुए कहा कि हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर चर्चा अपरिहार्य है क्योंकि यह जीवन की वास्तविकता है। विधानसभा द्वारा पारित विधेयक के बारे में बोलते हुए शर्मा ने कहा कि यह असमिया समुदाय के अस्तित्व की लड़ाई से संबंधित है, जो विलुप्त होने के कगार पर है। उन्होंने बताया कि धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, बरपेटा, दरंग, नगांव और मोरीगांव जैसे जिलों में जमीन खो गई है और समुदाय अब जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। शर्मा के बयान के विरोध में कांग्रेस विधायकों ने सदन से वाकआउट किया।

वर्ष 2026 तक ...

रजिस्ट्रार कार्यालय में आने में कठिनाई होती है, तो हम अलग से मुस्लिम सब-रजिस्ट्रार कार्यालय बनाएंगे। जहां पर विवाह पंजीयन किया जा सकेगा, लेकिन मुस्लिम विवाह और तलाक केवल सरकारी कार्यालय में ही पंजीकृत होंगे। मुस्लिम विवाह के पंजीकरण के लिए शुल्क प्रतीकात्मक रूप से एक रुपया लिया जाएगा। ज्यादा पैसा नहीं लिया जाना चाहिए। पैसा कमाना हमारा इरादा नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सदन में कहा कि देश में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले जम्मू-कश्मीर में सरकारी दफ्तरों में मुस्लिम शादियां रजिस्टर्ड होती हैं। केरल में भी विवाह सरकारी कार्यालयों में पंजीकृत होती है। हम काजियों को उनकी अब तक के कार्य के लिए शुक्रिया कहेंगे। वर्ष 1935 से काजियों ने बहुत परेशानी उठाई है। अब उन्हें ऐसा कष्ट नहीं करना चाहिए। विधायक करीमुद्दीन बोरभुइयां ने विधानसभा में कहा कि न केवल मुस्लिम बहुविवाह करते हैं, बल्कि बहुविवाह आदिवासी और चाय बागान क्षेत्रों में भी होता है। इस बयान के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कि ऐसी बातें कहकर आदिवासी और चाय बागान के लोगों का गुस्सा मत बढ़ाइये। आदिवासी और चाय बागान इलाके में बहुविवाह नहीं किया जाता है। महिला कल्याण न्याय के बारे में सोचिए। महिलाओं का मतलब मेरी बेटी है।

भाजपा नेताओं के ...

मणिक्कम टैगोर चाहते थे कि समिति चर्चा के लिए सबसे पहले विषय के रूप में जातिगत गणना को सूचीबद्ध करे। तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने भी उनका समर्थन किया। जदयू के सदस्य गिरधारी यादव ने भी जातिगत गणना को सूचीबद्ध करने की मांग की। बता दें कि भाजपा सांसद गणेश सिंह इस समिति के अध्यक्ष हैं। कल्याण बनर्जी ने समिति से जातिगत गणना कराने को लेकर गृह मंत्रालय को पत्र लिखने की मांग की। बता दें कि एनडीए में शामिल जदयू देशभर में जातिगत गणना करने के पक्ष में है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने राज्य में जाति आधारित सर्वेक्षण का आदेश दिया था। पिछले साल इसके आंकड़ों को भी सार्वजनिक किया गया था। इस बीच, भाजपा के एक सदस्य ने अनुबंध और अस्थायी आधार पर की जाने वाली भर्तियां और तदर्थ नियुक्तियों को भी आरक्षण के दायरे में लाने की मांग उठाई।

ट्रेनी डॉक्टर के डेथ ...

वहां के रजिस्टर में *मृत्यु का समय 12:44 पीएम* लिखा हुआ है। इस रजिस्टर को देखकर दाह-संस्कार प्रमाणपत्र या घाट प्रमाणपत्र तैयार किया जाता है। उसके बाद ये सवाल उठे हैं किदोनों दस्तावेजों में उल्लिखित समय में इतना अंतर क्यों है? श्मशान घाट प्रबंधक के मुताबिक, मृत्यु प्रमाणपत्र देखने के बाद समय (12:44) लिखा गया था, मैनेजर ने कहा कि अगर कोई मुझसे कहे तो मैं अब और नहीं लिख सकता। यह समय मृत्यु प्रमाण पत्र पर लिखा गया था। इसलिए हमने इसे लिखा। कोई त्रुटि नहीं है, पीड़िता के माता-पिता भी इस विसंगति की शिकायत कर रहे हैं। मृतक डॉक्टर के पिता ने कहा कि मेरी बेटी के साथ रेप और हत्या के पीछे बड़ी साजिश है। यह मामले को भटकाने की साजिश हो रही है। इससे पहले डॉक्टर के मां-पिता को फोन कर डॉक्टर की स्थिति को लेकर अलग-अलग बात कही गई थी। पहले कहा गया था कि वह बीमार हैं। फिर कहा गया कि वह गंभीर रूप से बीमार है और फिर कहा गया है कि उसने आत्महत्या की है। इसे लेकर ऑडियो भी वायरल हुआ है। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने इसे लेकर ट्वीट कर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि आरजी कर के फोन कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग मीडिया चैनलों द्वारा एक्सेस की गई है, जो साबित करती है कि माता-पिता क्या कह रहे थे... जिसका सुप्रीम कोर्ट ने भी संकेत दिया था... उन्होंने कहा कि माता-पिता को पहले क्षण से ही गुमराह किया जा रहा था। सबूत नष्ट किए जा रहे थे... यह व्यवस्थित और संस्थागत कवर अप का प्रयास दिखाता है... वे इसके लिए इतने उत्सुक क्यों थे? और फिर उन्होंने 4 घंटे में प्रिंसिपल को पदोन्नत कर दिया। यह सबूत मिटाओ, बलात्कार बचाओ क्यों और बेटी को न्याय दिलाओ क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि इसके बाद ममता बनर्जी जो स्वास्थ्य मंत्री हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके बजाय वे पूरे भारत में हिंसा की धमकी देती हैं और इंडी गठबंधन चुप है! यह चौंकाने वाला है। पूर्व सीबीआई प्रमुख उपेन विश्वस ने भी इस विसंगति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ी विसंगति है। यह कैसे किया गया है? इससे बहुत कुछ निकलेगा। जिन लोगों ने यह अपराध किया है उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

शिवाजी महाराज की ...

स्थित राजकोट किले में प्रतिमा स्थापित करने का उद्देश्य समुद्री रक्षा और सुरक्षा के प्रति मराठा नौसेना और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत और आधुनिक भारतीय नौसेना के साथ इसके ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान करना था। इस परियोजना की परिकल्पना और संचालन भारतीय नौसेना ने किया था। प्रतिमा की स्थापना के लिए महाराष्ट्र सरकार ने नौसेना को 2.36 करोड़ रुपए दिए थे। इसके बाद प्रतिमा बनाने वाले आर्टिस्ट के चयन और उसके डिजाइन की पूरी प्रक्रिया नौसेना ने की थी। इसके बाद 8 सितंबर, 2023 को 35 फुट ऊंची प्रतिमा बनाने का ऑर्डर दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 04 दिसंबर, 2023 को नौसेना दिवस पर प्रतिमा का अनावरण किया था। प्रतिमा स्थापित होने के बाद ही इसमें इस्तेमाल किए गए स्टील में जंग लगना शुरू हो गई थी, जिसकी जानकारी राज्य के लोक निर्माण विभाग ने नौसेना के अधिकारियों को पत्र लिखकर दी थी। इस बीच तटीय सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में स्थापित शिवाजी महाराज की प्रतिमा 26 अगस्त को दोपहर एक बजे गिर गई थी। पीडब्ल्यूडी और नौसेना के अधिकारियों ने 27 अगस्त को सिंधुदुर्ग जाकर घटना की जांच की और नौसेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने की घटना के जांच के आदेश दिए। पुलिस ने इस मामले में ठेकेदार जयदीप आप्टे और सलाहकार चेतन पाटिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। नौसेना ने अपने बयान में कहा था कि प्रतिमा गिरने के कारणों की तुरंत जांच करने, जल्द से जल्द मूर्ति की मरम्मत और फिर से उसकी स्थापना के लिए एक टीम नियुक्त की गई है। नौसेना ने गुरुवार को बताया कि सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को हुए दुर्भाग्यपूर्ण नुकसान की जांच के लिए महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ भारतीय नौसेना की अध्यक्षता में एक संयुक्त तकनीकी समिति का गठन किया जा रहा है। यह नुकसान क्षेत्र में असाधारण मौसम की स्थिति के कारण हुआ है। नौसेना प्रतिमा की मरम्मत, पुनर्स्थापना और उसे जल्द से जल्द बहाल करने के लिए सभी उपायों में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विदेशी मदद के ...

निपटने के लिए, राष्ट्रपति मुइज्जू की सरकार विभिन्न देशों से वित्तीय सहायता मांग रही है। उन्होंने चीन से 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान और 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सॉफ्ट लोन मांगा है। इसके अलावा, उन्होंने अबू धाबी, सऊदी अरब, यूएई, और अन्य देशों से भी आर्थिक मदद की अपील की है। चीन ने 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त नकद अनुदान देने का वादा किया है, लेकिन ये प्रयास मालदीव की विशाल वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। मालदीव के घटते विदेशी मुद्रा भंडार और बढ़ते कर्ज की अदायगी की चुनौतियां राष्ट्रपति मुज्जू के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई हैं। मालदीव की अर्थव्यवस्था एक गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है, और इसके समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

हिमाचल के छह ...

राजधानी शिमला में हो रही व्यापक वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है। शहर में करीब आधा दर्जन पेड़ों के धराशायी होने से निजी संपति को नुकसान पहुंचा है। छोटा शिमला क्षेत्र में राज्य सचिवालय के समीप एक सरकारी कार्यालय के भवन को पेड़ गिरने से क्षति पहुंची। हालांकि इस दौरान किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ। यूएस क्लब के समीप मच्छी वाली कोटी नामक स्थान पर संपर्क सड़क धंसने से दो मंजिला भवन धराशायी हुआ। नगर निगम प्रशासन ने इस भवन को पहले ही असुरक्षित घोषित कर दिया था। सड़क से सटे कई मकान खतरे की जद में आ गए हैं। शिमला को निचले हिमाचल से जोड़ने वाले शिमला-बिलासपुर नेशनल हाइवे बीती देर रात चक्कर के पास पहाड़ी से मलबा व पेड़ गिरने से बाधित हो गया। प्रशासन ने जेसीबी व मशीनरी की मदद से हाइवे को बहाल किया। शिमला-बालूगंज सड़क भूस्खलन के कारण पिछले एक हफ्ते से बंद पड़ी है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक शिमला जिला के चौपाल में सबसे ज्यादा 40 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। धौलाकुआं में 20, नाहन में 19, पांवटा साहिब में 15, भरविन में 12 और सराहन में 11 मिमी वर्षा हुई। किन्नौर के ताबो और रिकांगपिओ में क्रमश: 64 व 48 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से आंधी चली। कुकुमसेरी सबसे ठंडा स्थल रहा, जहां न्यूनतम पारा 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। डलहौजी में न्यूनतम पारा 13, मनाली में 16.2, शिमला में 16.6 और कसौली में 18.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

प. बंगाल विस ...

का विशेष सत्र दो सितंबर से शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की घटना की पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुरू से ही आरोपित को फांसी देने की मांग करती रही हैं। तृणमूल छात्र दिवस के स्थापना दिवस के मंच से भी उन्होंने इस मांग को दोहराया। कैबिनेट बैठक में इस बिल को लाने के फैसले पर अंतिम सहमति दी गई है। बैठक के बाद बिल पेश करने की तारीख तय की गई। ममता बनर्जी ने कहा है कि मैं अगले हफ्ते अध्यक्ष से कहकर सत्र बुलाऊंगी। हम पश्चिम बंगाल विधानसभा की तरफ से अगले दस दिनों के भीतर *दुष्कर्मियों को फांसी* के पक्ष में इस बिल को पास करके राज्यपाल के पास भेजेंगे। उन्होंने राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि मैं जानती हूं कि राजा की नीति क्या है। राजाबाबू कुछ नहीं करेंगे। अगर नहीं किया तो महिलाएं राजभवन के सामने घंटों तक बैठेंगी। इस बिल पर हस्ताक्षर करने होंगे। राज्यपाल राष्ट्रपति के पास भेजकर अपना दायित्व पूरा नहीं कर सकते हैं।

बांग्लादेश ने जमात-ए-इस्लामी...

तहत जमात-ए-इस्लामी पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसमें छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान घातक हिंसा भड़काने का आरोप लगा था, जो हसीना के खिलाफ विद्रोह में बदल गया, जिससे उन्हें इस्तीफा देने और भारत भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। कार्यवाहक सरकार द्वारा बुधवार को एक गजट अधिसूचना में कहा गया कि आतंकवादी गतिविधियों में जमात और उसके सहयोगियों की संलिप्तता का कोई विशेष सबूत नहीं है। पार्टी ने इन आरोपों से इनकार किया है कि उसने हिंसा भड़काई और प्रतिबंध को *अवैध, न्यायेतर और असंवैधानिक* बताया। जमात बांग्लादेश में चुनाव नहीं लड़ सकी है क्योंकि 2013 में एक अदालत ने कहा था कि एक राजनीतिक दल के रूप में उसका पंजीकरण बांग्लादेश के धर्मनिरपेक्ष संविधान के साथ विरोधाभासी है। पार्टी के वकील शिशिर मोनिर ने कहा कि वह अपने पंजीकरण की बहाली के लिए अगले सप्ताह की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करेगी। बतादें कि जमात एक इस्लामवादी और पाकिस्तान समर्थक संगठन माना जाता है। जमात का हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का भी एक लंबा इतिहास रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जमात के लोगों ने 2001 में भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की थी, जब बीएनपी-जमात गठबंधन ने बांग्लादेश में चुनाव जीता था।

रन फॉर फन इवेंट के साथ एनसीसी गुवाहाटी ने मनाया *राष्ट्रीय खेल दिवस*

गुवाहाटी (हिंस)। 60वीं असम गर्ल्स बटालियन एनसीसी, एनसीसी ग्रुप गुवाहाटी के तत्वावधान में और एनसीसी निदेशालय पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के अंतर्गत, *राष्ट्रीय खेल दिवस* के उपलक्ष्य में केंद्रीय विद्यालय, नारंगी में *रन फॉर फन* इवेंट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 कैडेट्स ने भाग लिया, जिनमें वरिष्ठ विंग के लड़के और लड़कियां, जो गुवाहाटी के लगभग 50 कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों से थे, शामिल हुए। उन्होंने 4 किमी की दौड़ में हिस्सा लिया और एक प्रेरणादायक खेल व्यक्तित्व के साथ बातचीत की, जिससे फिटनेस और सामुदायिक भावना के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन हुआ। आज सुबह आयोजित दौड़ को 60वीं असम गर्ल्स बटालियन एनसीसी, गुवाहाटी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अजय कुमार शर्मा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। लड़के और लड़कियों की श्रेणी में पहले तीन विजेता कैडेट्स को पदक दिए गए। इस आयोजन की एक मुख्य आकर्षण नयनमणि सैकिया, जो एक अर्जुन पुरस्कार प्राप्तकर्ता और प्रतिष्ठित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लॉन बॉलर हैं, थी। सैकिया ने अपने प्रेरक सफर से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और दृढ़ संकल्प, समर्पण और व्यक्तिगत विकास में खेलों की भूमिका पर मूल्यवान जानकारी साझा की। 60वीं असम गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर ने कहा कि यह आयोजन केवल दौड़ने के बारे में नहीं है, बल्कि खेल और फिटनेस के प्रति हमारे साझा जुनून को मनाने के लिए एक समुदाय के रूप में एकत्र होने के बारे में है।

असम में अस्थिर माहौल बनाने के पीछे कांग्रेस का हाथ : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। पिछले महीने से कांग्रेस सांप्रदायिक तुष्टीकरण और धार्मिक ध्रुवीकरण के माध्यम से असम को अस्थिर करने की साजिश रचकर योजनाबद्ध तरीके से असम के जातीय जीवन में संकट पैदा करने करने की कोशिश कर रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भबेश कलिता ने यह बात आज यहां पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने कांग्रेस सहित इंडी अलायंस का हिस्सा बने विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में एक विशेष समुदाय का भारी समर्थन मिलने के बाद कांग्रेस पार्टी ने अपनी पारंपरिक मियां बांग्लादेशी तुष्टीकरण की राजनीति को तेज कर प्रदेश में घुटन भरा माहौल बना दिया है। इन्हीं सांप्रदायिक लोगों के लिए जो कांग्रेस पार्टी के समर्थक हैं, आज ऐसा माहौल बना दिया है, जहां असम की बेटियां और बहुएं खुले दिमाग से सामने नहीं आ सकतीं। ट्यूशन से और स्कूल से लौटी छोटी बच्ची को बलात्कार जैसी विभिषिका से दो-चार होना पड़ा। असमिया बेटियां और बहुएं, जो उन क्षेत्रों में पढ़ाती हैं जहां ये लोग रहते हैं, दैनिक दुर्व्यवहार का सामना करतीं हैं। इतना ही नहीं ऐसे तत्वों के विरुद्ध सरकार द्वारा कठोर कदम उठाए जाने के चलते कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन के नेता अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति के चरम पर पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी अलायंस के नेताओं की ऐसी हरकतों से पार्टियों ने खूंखार अपराधियों, बलात्कारियों और तस्करों के पक्ष में रहकर अपने स्वभाव को उजागर किया है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने फ्लैगशिप की प्रगति की समीक्षा की

बिजनी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एवं संसदीय कार्य, डॉ. एल मुरुगन ने प्रमुख योजनाओं की स्थिति और प्रगति की समीक्षा की चिरांग जिले में राज्य और केंद्र दोनों सरकारों से। उन्होंने इस पर संतोष व्यक्त किया समग्र प्रगति हुई और चल रहे सभी कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए योजनाओं में दिशा-निर्देशों के अनुरूप गुणवत्ता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया। 29 अगस्त को चिरांग में डीसी कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने क्षेत्र के विकास के बारे में आशावाद व्यक्त किया। उन्होंने हौसला बढ़ाया प्रतिभागियों ने पूर्वोत्तर भारत के विकास को और आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला सहयोगात्मक प्रयासों और योजनाओं और पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन का महत्व। बैठक में पंचायत सहित प्रमुख विभागों की वर्तमान स्थिति के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया और ग्रामीण विकास, शिक्षा (प्राथमिक और माध्यमिक), राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (पीएचई), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, कृषि, सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), समाज कल्याण, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, उद्योग और वाणिज्य, और मत्स्य पालन, दूसरों के बीच में। निजुत मोइना, विद्यांजलि, पीएम आदि विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा की गई पोषण, और सिंचाई योजनाएं। चर्चा में नाबार्ड, ओरुनोडोई, द वन भी शामिल था जिला एक उत्पाद पहल, और कई अन्य कार्यक्रम। मिशन जैसी प्रमुख योजनाएं भूमिपुत्र, अमृत बृक्ष आंदोलन, असम संस्कृत महासंग्राम और खेल महारण उनमें से थे मूल्यांकन भी किया। बैठक में लोकसभा सांसद जयंता बसुमतारी और राज्यसभा सांसद रवंगव्रा ने भाग लिया नारजारी, बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के कार्यकारी सदस्य चिरांग के जिला आयुक्त पी. विजया भास्कर रेड्डी, अतिरिक्त जिला आयुक्त, शहर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिजनी की एसडीओ सिविल कृति चाचरा को इस पद पर नियुक्त किया गया है।

होजाई, गोर्खा महिला ऐक्य मंच का एक दिवसीय तीज महोत्सव

होजाई (निसं)। स्थानीय साहित्यरथी बेज बरुवा भवन परिसर में तीज महोत्सव का भव्य आयोजन बृहत्तर होजाई गोरखा महिला ऐक्य मंच के द्वारा एक दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हुआ। गौरतलाब है होजाई में पहली बार भव्य रूप से तीज महोत्सव का आयोजन स्थानीय महिलाऔं ने मिलकर किया महिला। बुधवार की सुबह ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। ऐक्य मंच की अध्यक्ष श्रीमती बसंती पौडेल ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद उनकी अध्यक्षता में आयोजित सभा में काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कामाख्या प्रसाद ताशा होजाई

के पूर्व विधायक शिलादित्य देव सहित कई अतिथि की उपस्थिति में सभा आयोजित हुई। वहीं उक्त कार्यक्रम में नेपाली संस्कृति सुरक्षा परिषद के कार्यकर्ता डॉ. देविका देवी टिमचीन, आमंत्रित अतिथि डकामुकाम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती रिंपा थापा प्रधान, श्रीमती रेणु गौतम भंडारी सहित कई विशिष्ट व्यक्तियों ने अंश ग्रहण किया। ऐक्य मंच की सचिव शीला देवी ने स्वागत भाषण दिया इसके बाद स्वागत नृत्य पेश किया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। इसके बाद सभी वक्ताओं ने अपना वक्तव्य रखा जिसमें पवित्र हरतालिका तीज के महत्व पर प्रकाश डाला गया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में तीज गीत और नित्य प्रतियोगिता में कई दलों ने अपना प्रदर्शन दिखाया। संध्या 5 बजे प्रतियोगिता का फलाफल की घोषणा की गई जिसमें पुरस्कार वितरण किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

देश विरोधी ताकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी अभाविप

एनआईटी के छात्रों पर देश विरोधी पोस्ट करने का आरोप

कछार (हिंस)। सिलचर स्थित राष्ट्रीय प्रद्यौगिकी संस्थान (एनआईटी) में बांग्लादेश के छात्रों के सोशल मीडिया पर भारत विरोधी पोस्ट करने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने विरोध जताया। इसे लेकर अभाविप के पदाधिकारियों ने संस्थान के निदेशक को एक ज्ञापन दिया। गुरुवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की सिलचर इकाई के महानगर मंत्री दीपनाथ ने सिलचर के एनआईटी के निदेशक दिलीप कुमार वैद्य को सौंपे एक ज्ञापन में कहा कि भारत विरोधी सोच वाले किसी भी छात्र को विद्यार्थी परिषद सिलचर की भूमि पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे जो भी तत्व हैं, उसको तत्काल प्रभाव से देश से बाहर निकालना चाहिए। असम और सिलचर के भीतर किसी भी देशविरोधी एवं जिहादियों के लिए कोई स्थान नहीं है। ऐसे तत्वों के कारण एनआईटी जैसे संस्थान की भी छवि खराब होगी। उन्होंने मांग की ऐसे तत्वों और उनके मददगारों को भी

चिह्नित कर कड़ा से कड़ा कदम उठाया जाना चाहिए। ज्ञापन देने के दौरान अभाविप के प्रांत मीडिया सह संयोजक रोहित चंद, जिला संयोजक आदित्य दे भी शामिल थे।

15 लाख रुपए की मांग करने वाले अपहरणकर्ता रंगिया पुलिस के जाल में

रंगिया (निसं)। रंगिया में सनसनीखेज अपहरण का मामला प्रकाश मे आया है। अफजल अली और मोफिजुद्दीन रंगिया पुलिस के जाल में फंस गए। पुलिस के जाल में फंसने के बाद अपहरणकर्ता पत्रकार के कैमरे से मुंह छिपाने का प्रयाश करते दिखे। 15 लाख रुपए फिरौती की मांग की गई थी। पुलिस ने रंगिया कुमारपाटा से दो पाइप राजमिस्त्री को बरामद किया है। होजाई का मोफिजुद्दीन और रंगिया का अफजल अली पुलिस के जाल में फंस गये। दूसरी ओर, दो अन्य मणिपुरी अपहरणकर्ता भाग निकले। अपहरण मामले में व्यवहृत स्विफ्ट डिजायर वाहन को जब्त किया गया। गफूर अली और सैफुल अली को मंगलवार की रात रंगिया के कर्ताखाट से चार बदमाशों ने जबरन उठाया और गुवाहाटी ले गए। गुवाहाटी में एक अज्ञात स्थान पर पूरी रात अत्याचार करने के बाद उसके परिवार से 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी। जब परिवार ने पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया तो क्षेत्री पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए छापा मारा और दो अपहरणकर्ताओं को पकड़ने में कामयाब रही, जबकि दो पीड़ित, पाइप मिस्त्री को बचा लिया गया। इसके बाद दोनों अपहरणकर्ताओं को दो युवकों के साथ रंगिया पुलिस थाने लाया गया। वहीं उक्त अपहरणकांड मे जड़ीत फरार दो मणिपूरी युवको की तलाश मे अभियान तेज करने के साथ गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों से पुछताछ करने की जानकारी मिली है।

असम-पश्चिम बंगाल सीमा पर ड्रग तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले में असम-पश्चिम बंगाल सीमा पर एक तस्कर को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है। ड्रग तस्कर हाफीजुर शेख के पास से 14.13 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि गोलकगंज थाने के क्षेत्राधिकारी रातुल हालोई और छोटूगुमा थाना प्रभारी संजय बोड़ो के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बीती रात छोटूगुमा थाने के कैमारी तृतीय खंड गांव में छापा मारा। इस अभियान में हाफीजुर शेख नामक शख्स को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो साबुनदानी में ब्राउन शुगर और एक बाइक (एएस-17एल-4167) बरामद की गई। पुलिस अधिक जानकारी के लिए उससे पूछताछ कर रही है।

असम में 74 हजार छात्रों ने ली अभाविप की सदस्यता

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), असम प्रदेश ने व्यापक सदस्य भर्ती दिवस के तहत एक दिन में 118 इकाइयों के 319 कॉलेज-स्कूल में 1,554 कार्यकर्ताओं की सहभागिता से 31,842 छात्र-छात्राओं को परिषद का सदस्य बनाया। अब तक रिकॉर्ड 74,037 छात्रों को अभाविप का सदस्य बनाया गया है। अभाविप के प्रदेश मंत्री हेरोल्ड मोहन ने आज एक बयान में कहा कि विद्यार्थी परिषद पूरे असम का अकेला ऐसा छात्र संगठन है, जो बराक, ब्रह्मपुत्र के दोनों पार एवं जनजाति क्षेत्रों में भी छात्रों की आवाज को बुलंद करते हुए छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति में परिणत करते हुए

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र का पुनर्निर्माण करने का कार्य निरंतर करता आया है। अभाविप का सदस्यता अभियान प्रमुख परिसर जैसे असम विश्विद्यालय, भट्टदेब विश्विद्यालय, रवींद्रनाथ टैगोर विश्विद्यालय, नॉर्थ लखीमपुर विश्विद्यालय, गुवाहाटी विश्विद्यालय, कॉटन विश्विद्यालय, गुवाहाटी कॉमर्स कॉलेज, करीमगंज कॉलेज, मोरान कॉलेज, मोरीगांव कॉलेज समेत कुल 319 कॉलेज स्कूलों में सफलता पूर्वक चलाया गया। इस वर्ष के असम प्रांत के सदस्यता अभियान के प्रमुख अभाविप के प्रदेश सह मंत्री कनक लाल देब ने कहा कि इस वर्ष हमने संकल्प लिया है कि अपने प्रांत की सदस्यता एक लाख पार करेंगे। सदस्यता अभियान को लेकर छात्रों में इस वर्ष जबरदस्त रुझान देखने को मिल रहा है। आगामी 5 सितंबर तक यह अभियान निरंतर चलेगा।

बाघ के हमले में वन कर्मी की मौत

दरंग (हिंस)। ओरांग नेशनल पार्क में एक बाघ के हमले का शिकार हुए वन कर्मी मणि डेका का शव बीती रात बरामद होने के बाद गुरुवार को नगांव जिलांतर्गत दीपिला के हातिमारा में शोक की लहर दौड़ गई। धनमणि डेका की आठ महीने पहले ही शादी हुई थी। हमला कर घने जंगल में खींचे गए वन कर्मी धनमणि डेका का शव घटनास्थल से तीन किलोमीटर दूर खेरनी कैंप के पास सड़ी-गली हालत में मिला। इसके बाद शव को वन कर्मियों ने पुलिस की मदद से उसे मंगलदोई सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वन विभाग के सूत्रों ने बताया है कि उद्यान के पांच हाथियों की मदद से लगभग 50 से अधिक वनकर्मियों ने रात में घने जंगलों में खोजबीन अभियान चलाया, जिसके बाद डेका के शव और पास में ही बाघ को देखा। वन कर्मियों ने शोर मचाकर बाघ को वहां से भगाया तथा शव को अपनी कस्टडी में लेकर जंगल से बाहर निकले।

GOVERNMENT OF ASSAM
OFFICE OF THE DIRECTOR OF MEDICAL EDUCATION, ASSAM
SIXMILE, KHANAPARA, GUWAHATI-22 .
Website : dme.assam.gov.in, E-mail :dmeassam@gmail.com

No. DME/UG/17/2024/535433/4

ADMISSION NOTICE

Admission into 1st year MBBS/BDS courses in the Government Medical & Dental Colleges of Assam after completion of 1st Round of Online Counselling, session 2024.

This is for information of all concerned that the provisional select list of candidate after the 1st round of online counselling for admission into the 1st year MBBS/BDS courses, session 2024 in the Government Medical & Dental Colleges of Assam under Assam State quota seats has been published which is now available in the official website of this Directorate www.dme.assam.gov.in

Candidates provisionally selected under the following categories are directed: to report to the concerned places as stated below for necessary verification.

- All candidates provisionally selected under PwD category are directed to report with all their relevant certificates in original to the office of the Principal cum Chief Superintendent, Gauhati Medical College & Hospital, Bhangagarh, Guwahati (Hospital premises), for verification of their disability status by the Medical Board on 2nd September, 2024 (10:00 AM), failing which, his/her allotment shall be cancelled.
- All candidates provisionally selected under **Extremist Violence quota & Martyrs quota** are to report to the office of the DME, Assam, Sixmile, Khanapara, Guwahati-22 for verification of their relevant documents in original, on 2nd September, 2024 (10:00 AM) failing which, his/her allotment shall be cancelled.

The admission of candidates provisionally selected under Govt. Institute quota (5% reservation for candidates who studied in Assam Government Schools/ Colleges) is kept withheld until the receipt of Government verification report of their eligibility.

All provisionally selected candidates **other than PwD/ Extremist Violence/ Martyrs/ 5% reservation for studying in Assam Government Schools/Colleges quota,** are hereby directed to report to the office of the Principals of the respective Colleges with following terms and conditions on **3rd September to 5th September, 2024** for admission, failing which his/he: allotment shall be cancelled.

1. All the admission shall be provisional and it will be subject to fulfilment of all the requisite eligibility criteria as per the MBBS/BDS Admission Rule, 2017 (amended upto 2024).
2. Candidates must bring all necessary Original documents and Annexures along with Admission and Counselling fees (amounting approx. Rs. 25,000/-) at the time of admission.
3. Candidates shall have to deposit the original Admit Cards, Marks Sheets, Pass Certificates of HSLC and HSSLC or Equivalent examination, caste certificate and documents as specified in the MBBS/BDS Admission Rule, 2017 (amended upto 2024), to the Principal of the respective Colleges at the time of admission on receipt of acknowledgement from the college authority. .
4. Admission of the candidates are subject to the satisfactory Medical fitness of the candidate at the time of admission.
5. If any candidate furnishes false information/ declaration at the time of online selection or admission, his/her admission is liable to be cancelled at any point of time. Criminal proceedings shall be taken against such candidates for submission of false, fabricated documents/ information under appropriate law.
6. All the candidates shall have to enter into an agreement as per the admission rule in prescribed format which is available in this Directorate's website www.dme.assam.gov.in. Candidates will have to submit the agreement within 15 days from the date of their admission to the office of the Principal of the respective college.
7. College uniform is compulsory for all the student in all the Medical & Dental Colleges. College authorities shall prescribe necessary dress code.

Candidates are directed to visit the official website of this Directorate, www.dme.assam.gov.in regularly for further information & notices.

-- Janasanyog /D/4828/24/30 August 2024

Director of Medical Education, Assam

चेतना लेडीज क्लब ने लगाई पांचवीं शीतल पेयजल मशीन

वृद्धों के लिए प्रदान किए तीन व्हीलचेयर

गुवाहाटी। महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक चेतना लेडीज क्लब ने समाज सेवा के कार्य को जारी रखते हुए आज पांचवीं शीतल पेयजल मशीन दानदाता आनंदीलाल रतलानी के सहयोग से स्थापित की। बिरुबाड़ी स्थित शिशु सारथी के अधीन मानसिक रूप से दिव्यांग वृद्धों के लिए बने आश्रम में उक्त पेयजल मशीन लगाई गई, जिसका अनावरण स्वेता रतलानी व समता रतलानी की उपस्थिति में किया गया। क्लब की अध्यक्ष आशा अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान क्लब की ओर से दिए गए आर्थिक अनुदान से निर्माण

किए गए लॉबी का भी आज उद्घाटन किया गया। इस मौके पर क्लब की ओर से दानदाता परिवार का स्वागत किया गया, जिन्होंने वृद्धों की सुविधा हेतु शीतल पेयजल मशीन प्रदान की। क्लब की वरिष्ठ सदस्य मंजू जालान ने बताया कि वहीं दूसरी ओर क्लब की ओर से नॉर्थ ईस्ट कैंसर अस्पताल में जयनारायण राठी के सहयोग से तीन व्हीलचेयर भी प्रदान की गई। इस मौके पर अस्पताल की ओर से क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान अध्यक्ष आशा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुनिता सियोटिया, कविता पटवारी, मीना धानुका, समता गोलछा, बबीता अग्रवाल, सुनिता सराफ, मनीता धीरासरिया सहित बड़ी संख्या में क्लब की सदस्याएं मौजूद थीं।

दामपुर में ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो के दामपुर के मध्य सुपा में बीती रात पुलिस ने नशा के खिलाफ एक अभियान चलाया। पुलिस कार्रवाई में भारी मात्रा में नशीले पदार्थों सहित भारी मात्रा में नकदी जब्त की गई। इस मामले में ड्रग्स तस्कर ईदुल अली नामक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात हाजो पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर नवजीत नाथ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर हाजो के दामपुर के मध्य में सुपा में ड्रग्स तस्कर ईदुल अली के आवास पर छापा मारा। मौते से भारी मात्रा में मादक पदार्थों को जब्त करने में पुलिस टीम कामयाब रही।

अभातेयुप के अधिवेशन में तेयुप गुवाहाटी को मिला पुरस्कार

गुवाहाटी। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में सूरत में आयोजित 58वें राष्ट्रीय अधिवेशन *हम* में वर्ष 2023-24 के लिए देश की 362 शाखा परिषदों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें तेरापंथ युवक परिषद गुवाहाटी को नेत्रदान का तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी के साथ संस्कार के क्षेत्र में भी विराट श्रेणी में परिषद को द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। इस अधिवेशन में गुवाहाटी परिषद से अध्यक्ष सतीश कुमार भादानी, मंत्री पंकज सेठिया, निवर्तमान अध्यक्ष जयंत सुराणा, उपाध्यक्ष (द्वितीय) नवीन भंसाली, सहमंत्री (द्वितीय) राहुल नाहटा, कार्यकारिणी सदस्य

सुमित डागा, रवि बुच्चा तथा अभातेयुप कार्यसमिति सदस्य अमित मालू ने सहभागिता दर्ज करवाई। इस अधिवेशन के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने गुरुदेव एवं सभी चारित्रात्माओं के सेवा-दर्शन-उपासना का लाभ लिया तथा सभी ने सही मूल्यांकन हेतु अभातेयुप परिवार का आभार ज्ञापित किया। तेयुप गुवाहाटी के अध्यक्ष सतीश कुमार भादानी एवं पंकज सेठिया ने इन पुरस्कारों के लिए तेयुप गुवाहाटी के सभी साथियों को धन्यवाद दिया है। ज्ञातव्य हो कि तेरापंथ युवक परिषद गुवाहाटी के हर एक युवा साथी एवं किशोरों द्वारा सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यक्रमों को संपादित करने में अथक श्रम नियोजित किया जा रहा है। नेत्रदान के प्रति तेरापंथी समाज के अलावा गुवाहाटी का संपूर्ण मारवाड़ी समाज काफी जागरूक है तथा ज्यादा से ज्यादा नेत्रदान करवा रहे हैं। नेत्रदान के कार्य में बजरंग कुमार सुराणा, पवन जम्मड़ एवं विनीत चिंडालिया काफी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इस आशय की जानकारी उपाध्यक्ष (प्रथम) विकास नाहटा ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

संपादकीय

बेल, फिर भी जेल

देश में लंबे समय से यह मुद्दा चर्चा में रहा है कि आखिर क्यों जमानत मिलने के बावजूद हजारों विचाराधीन कैदी जेलों में अमानवीय जीवन जीने को अभिशप्त हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश की जेलें जरूरत से ज्यादा कैदियों से भरी हुई हैं। जिसमें गरीब व वंचित समाज के लोगों की संख्या ही अधिक है। ऐसे गरीब लोगों की संख्या काफी है, जिनकी कोई जमानत लेने वाला तक नहीं होता। हम न भूलें कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार लाना होता है, सिर्फ दंडित करना ही नहीं। खूंखार व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें, तो विशम हालातों में अपराधों की दुनिया में उतरे लोगों का हृदय परिवर्तन करके एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी जेलों में रखने का मकसद होता है। यही वजह है कि जमानत मिलने के बावजूद जेल के सीखचों के पीछे बंदी जीवन जीने वाले विचाराधीन कैदियों की रिहाई के प्रश्न पर गाहे-बगाहे चिंता व्यक्त की जाती रही है। निस्संदेह, हमारी जेलें कैदियों से खचाखच भरी हैं। उनमें कैदियों की संख्या निर्धारित संख्या से बहुत ज्यादा ही है। एक अनुमान के अनुसार करीब पांच हजार विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद रिहाई की प्रतीक्शा में हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी किए थे। जिसमें अदालतों से बांड और जमानत देने की शर्तों को संशोधित करने पर विचार करने को कहा गया था। शीर्ष अदालत ने इस दिशा में संकेत दिया था कि ऐसे कैदियों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों पर एक रिपोर्ट तैयार की जाए। जिससे विचाराधीन कैदियों की रिहाई की शर्तों में ढील दी जा सके। निस्संदेह, बदलते वक्त के साथ एक लोकतांत्रिक देश में न्यायिक व्यवस्था का चेहरा मानवीय बनाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। वैसे भी न्याय की अवधारणा रही है कि निर्दोश व्यक्ति को किसी भी हालात में अन्याय से बचाया जाना प्राथमिक दायित्व होना चाहिए। इसी आलोक में शीर्ष अदालत ने एक बार फिर न्यायाधीशों से कहा है कि वे जीवन की कड़वी हकीकत से आंख नहीं मूंद सकते। इसका अवलोकन स्थिति को अधिक स्पश्ट कर सकता है। अदालत का मानना रहा है कि जमानत देना और उसके बाद अत्यधिक शर्तें लगा देना, कुछ ऐसा ही है कि दाहिने हाथ से किसी को कुछ दिया गया, बाएं हाथ से छीन लिया गया। अदालत ने मानवीय दृश्टिकोण को संस्थागत बनाने की जरूरत पर बल दिया है। दरअसल, जमानत एक नियम है और जमानत से इनकार एक अपवाद है। इस बात को शीर्ष अदालत ने हाल के फैसलों में जोरदार तरीके से दोहराया है। यह माना गया कि यदि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिये कोई मामला बनता है तो जमानत दी जानी चाहिए। अब चाहे भले ही किसी व्यक्ति का अपराध गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत ही क्यों न हो। दरअसल, आतंकी कृत्यों को दंडित करने वाले कानूनों को अकसर कठोर कर दिया जाता है। यही वजह कि त्वरित सुनवाई और स्वतंत्रता के हक को पवित्र अधिकार बताते हुए शीर्ष अदालत ने यह कहने से कोई परहेज नहीं किया कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय जमानत देने के मामलों में सुरक्शित दृश्टिकोण अपनाने का प्रयास करते नजर आते हैं। शीर्ष अदालत ने इस बात को लेकर गंभीर चिंता जताई कि देश की न्याय प्रणाली हर स्तर पर देरी से जूझ रही है। यदि 'तारीख पे तारीख' एक पुरानी खामी है तो जमानत मिलने के बाद विचाराधीन कैदियों के जेलों में बंद रहने का पहलू भी यही है। अदालत का मानना रहा है कि देश में जागरूकता और कानूनी साक्शरता की कमी भी इस संकट को बढ़ाने का ही काम कर रही है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का दृश्टिकोण न केवल प्रगतिशील व न्यायपूर्ण है बल्कि देश में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्शा और नागरिकों को जागरूक करने के गंभीर मुद्दे की ओर भी ध्यान दिलाता है। शीर्ष अदालत की हालिया संवेदनशील पहल से देश में करोड़ों लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण और पीढ़ी-दर-पीढ़ी न्याय की आस में बैठे लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में गंभीर पहल की उम्मीद भी जगती है।

> जमानत मिलने के बावजूद हजारों विचाराधीन कैदी जेलों में अमानवीय जीवन जीने को अभिशप्त हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश की जेलें जरूरत से ज्यादा कैदियों से भरी हुई हैं। जिसमें गरीब व वंचित समाज के लोगों की संख्या ही अधिक है। ऐसे गरीब लोगों की संख्या काफी है, जिनकी कोई जमानत लेने वाला तक नहीं होता। हम न भूलें कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार लाना होता है, सिर्फ दंडित करना ही नहीं। खूंखार व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें, तो विशम हालातों में अपराधों की दुनिया में उतरे लोगों का हृदय परिवर्तन करके एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी जेलों में रखने का मकसद होता है। यही वजह है कि जमानत मिलने के बावजूद जेल के सीखचों के पीछे बंदी जीवन जीने वाले विचाराधीन कैदियों की रिहाई के प्रश्न पर गाहे-बगाहे चिंता व्यक्त की जाती रही है। निस्संदेह, हमारी जेलें कैदियों से खचाखच भरी हैं।

भारत इस पूरे इलाके में नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी करता है

बाढ़ को लेकर बांग्लादेश की शरारत

प्रमोद भार्गव

> भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने में कुछ ताकतें पूरा जोर लगा रही हैं। पहले पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में मिली शरण को लेकर तो अब बांग्लादेश में आई बाढ़ के पीछे भारत की भूमिका इतनी उग्रता के साथ बताई गई कि सीमा पर भारतीय सैन्य बलों की तरफ से गोलीबारी की अफवाहें तक सोशल मीडिया पर फैला दी गई। इसे लेकर वहां रह रहे हिंदुओं में तनाव इतना बढ़ गया कि ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने जब अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की तो यह अफवाह भी उड़ा दी गई कि उच्चायुक्त को तलब किया गया है।

मुस्लिम देश पाकिस्तान हो या बांग्लादेश सांप्रदायिक सोच की गिरफ्त में इतने हैं कि भारत पर कैसे आक्शेप लगाए जाएं, इसका अवसर तलाशने में लगे रहते है। भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने में कुछ ताकतें पूरा जोर लगा रही हैं। पहले पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में मिली शरण को लेकर तो अब बांग्लादेश में आई बाढ़ के पीछे भारत की भूमिका इतनी उग्रता के साथ बताई गई कि सीमा पर भारतीय सैन्य बलों की तरफ से गोलीबारी की अफवाहें तक सोशल मीडिया पर फैला दी गई। इसे लेकर वहां रह रहे हिंदुओं में तनाव इतना बढ़ गया कि ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने जब अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की तो यह अफवाह भी उड़ा दी गई कि उच्चायुक्त को तलब किया गया है। आखिरकार भारतीय विदेश मंत्रालय को दो बार आगे आकर अफवाहों का खंडन करना पड़ गया।

विदेश मंत्रालय ने स्पश्ट किया है कि भारत के इलाके में स्थित बांध के द्वार खोलने की वजह से बांग्लादेश में बाढ़ के हालात बदतर नहीं हुए है। दरअसल वहां के मीडिया ने यह सूचना दे दी की भारत में त्रिपुरी के गुमती नदी पर बने दुम्बुर बांध के द्वार खोल दिए गए है, जिससे बांग्लादेश के पूर्वी इलाके में बाढ़ आ गई। जबकि तथ्यात्मक सच्चाई यह है कि बांग्लादेश के जिस क्शेत्र में बाढ़ आई हुई हैं, वहां से दुम्बुर बांध की दूरी 120 किमी से भी ज्यादा है। यही नहीं यहां जो बिजली बनाई जाती है, उसमें से 40 मेगावाट बिजली बांग्लादेश को दी जाती है। भारत इस पूरे इलाके में नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी करता है। 21 अगस्त के बाद जो मूसलाधार बारिश त्रिपुरा और इस नदी के जल संग्रह क्शेत्र में हुई है, उसकी सूचना निरंतर बांग्लादेश को दी जाती रही है। 21 अगस्त 2024 को श्याम तीन बजे भी सूचना दे दी गई थी। इस क्शेत्र में विडंबना यह भी है कि भारत व बांग्लादेश के आर-पार जाने वाली 54 नदियां हैं। इन पर द्विपक्शीय संबंधों में नदियों के जल बंटवारें की भी बड़ी अहमियत है। तीस्ता नदी के जल बंटवारें को लेकर भी कई बार शेख हसीना से द्विपक्शीय वार्ताएं हुई हैं, लेकिन परिणाम तक नहीं पहुंच पाए। इन

सब कारणों के संदर्भ में विदेश मंत्रालय का कहना है कि 'यह बिल्कुल गलत है कि बाढ़ नदी के द्वार खोलने की वजह से आई है। बाढ़ दोनों देशों के बीच एक साझा समस्या है, इससे दोनों देशों की जनता को परेशानी झेलनी पड़ती है। अतएव हर साल पैदा होने वाली इस समस्या से छुटकारे के लिए आपसी सहयोग से काम लेना होगा।'

भारी बारिश के चलते पूर्वोत्तर के राज्य त्रिपुरा में भीशण बारिश से ज्यादातर नदियां बाढ़ के पानी से लबालब है। 1900 जगह भूस्खलन हुआ है, जिसके चलते 17 लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और करीब एक दर्जन लोग मारे गए हैं। हजारों लोगों को 330 राहत शिविरों में शरण दी गई है। भूस्खलन से अनेक जगह सड़क संपर्क बाधित हो गया है। पश्चिमी त्रिपुरा और सिपाहीजला जिला सर्वाधिक बाढ़ की चपेट में है। त्रिपुरा के पड़ोसी राज्य मिजोरम की राजधानी आइजोल और कोलासिब का भी बुरा हाल है। सेना और एनडीआरएफ लगातार पानी में फंसे लोगों को निकाल रहे हैं। असम रायफल्स की चार टुकड़ियां इस काम में लगी हुई हैं। अतएव भारत खुद बाढ़ की चपेट में हैं। इस बाढ़ का प्रमुख कारण बांध के नीचे की ओर बढ़े जलग्रहण क्शेत्रों में पानी भर जाने के कारण आई है। वैसे भी दुम्बुर बांध 30 मीटर से भी कम ऊंचाई का बांध है। अतएव बांध की जलग्रहण क्शमता बहुत अधिक नहीं है। बांग्लादेश में बाढ़ से हालात खराब होने का एक बड़ा कारण वहां की सेना और राहत दलों द्वारा व्यापक पैमाने पर कोई कदम नहीं उठाना भी रहा है। दरअसल बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से ही कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब है। अंतरिम सरकार की तरफ से बार-बार निर्देश जारी किए जाने के बाबजूद ढाका व कुछ शहरों के ग्रामीण इलाकों के ज्यादातर पुलिस थाने अभी भी खाली पड़े हुए हैं। भीड़ का निशाना बनने के डर से पुलिसकर्मी ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। ऐसी विशम स्थिति में भारतीय उच्चायुक्त भी अपने कार्यालय और परिसंपत्तियों को बचाने की चिंता में है। जबकि यह मुद्दा प्रणय वर्मा महोम्मद यूनुस के समक्श उठा चुके है। साफ है, यूनुस ने भारत को महत्वपूर्ण पड़ोसी देश बताकर स्थानीय कट्टरपंथियों को नसीहत जरूर दी है, लेकिन भारत विरोधी अराजक तत्वों पर लगाम लगाने में अंतरिम सरकार सफल होते नहीं दिख रही है। इससे यह भी आशंका होती है कि जब भारतीय उच्चायुक्त ही संकट में है। तो इस बात पर कैसे संतोश कर लिया जाए कि वहां रहने वाले हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्शित और भयमुक्त हैं ?

भारत एवं बांग्लादेश के बीच बहने वाली नदियों के जल बंटवारे को लेकर समझौते की बातचीत 25 वर्श से चल रही है। शेख हसीना और नरेंद्र मोदी की 2022 में परस्पर हुई बातचीत के बाद कुशियारा नदी के संदर्भ में अंतरिम जल बंटवारा समझौते पर हस्ताक्शर भी हो गए हैं। 1996 में गंगा नदी जल-संधि के बाद इस तरह का यह पहला समझौता है। इसे अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता माना गया है। यह भारत के असम और बांग्लादेश के सिलहट क्शेत्र को लाभान्वित करेगा। 54 नदियां भारत और बांग्लादेश की सीमाओं के आरपार जाती हैं और सदियों से दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आजीविका का मुख्य साधन बनी हुई हैं। इन नदियों के किनारों पर मानव सभ्यता के विकास के साथ सृजित हुए लोक गीत और लोक कथाएं, धर्म एवं संस्कृति की ऐसी धरोहर हैं, जो मानव समुदायों को लोक कल्याण का पाठ पढ़ाने के साथ नैतिक बल मजबूत बनायें रखने का काम करती हैं। बावजूद दोनों देशों के बीच बहने वाली तीस्ता नदी के जल बंटवारे को अंतिम रूप अब तक नहीं दिया जा सका है।

दृश्टि कोण

गांवों की खुशहाली का पैमाना अलग है

जो दिखावापन कभी शहरी जिंदगी का हिस्सा माना जाता था, वह अब गांवों में भी दिखने लगा है। गांव समाज में जैसे-जैसे दिखावा करने की आदत बढ़ रही है, वैसे-वैसे असली जीवन की मासूमियत भी गायब होती जा रही है। जीवन-शैली में आया यह बदलाव जहां बाजारवाद को बढ़ावा दे रहा है, वहीं पर कृशि आधारित भारतीय जीवन-शैली, जो स्वदेशी, शाकाहार, स्वावलंबन, स्वसंस्कृति पर आधारित रही है, को विकृत करता जा रहा है। गांवों की जीवन-शैली पर इस बाजारू व्यवस्था ने ऐसा असर डाला है कि अब लगता ही नहीं कि ये वही भारतीय गांव हैं, जहां इंसानियत का एक अलग रूप दिखाई पड़ता था। शहरीकरण की वजह से भाईचारा, खुशमिजाजी और हंसी के फुहारों में सराबोर चौपालों की शामें अब शायद ही किसी गांव में दिखाई पड़ें। वैश्वीकरण के बाद पिछले 40 वर्शों से शहरों और गांवों में बाजारीकरण के कारण जो गैर-बराबरी बढ़ रही है, उसने गांवों के असली विकास पर सवाल पैदा कर दिया है। आज गांवों में जो विकास दिखता है, वह विकास नहीं, बल्कि बाजारीकरण की मजबूत होती पैठ है। यही उपभोक्तावाद है। एक सर्वेक्शण के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में पिछले 1993-94 से 2012 के दौरान उन ऐशो-आराम की वस्तुओं का उपभोग तेजी से बढ़ा, जो अमूमन शहरी अमीरों के पास हुआ करती थीं। मसलन, जिन गांवों में साइकिल या अपवाद स्वरूप मोटर साइकिल हुआ करती थी, वहां कारें दौड़ने लगी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 1993-94 से 2012 के बीच कार रखने वालों का प्रतिशत 12 से बढ़कर 40 हो गया। दोपहिया वाहनों की संख्या में पांच गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई। यानी गांवों में भी ऐशो-आराम की जिंदगी जीने वालों की संख्या पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ी है। इससे यह धारणा बननी शुरू हो गई है कि उपभोग के मामले में गांव शहरों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। लेकिन यह विकास गांवों में बाजार की घुसपैठ का नतीजा है। आंकड़ों की जादूगरी में मन को उलझा देने से असलियत दब जाएगी। इसलिए देखना यह है कि सर्वे रिपोर्ट किस मूल बात को प्रकट करने में चूक

गई है। दरअसल, गांवों के असली हालात का सर्वे रिपोर्ट में खुलासा ही नहीं किया गया है। आज भी भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृशि ही है। गांवों में रहने वालों में 95 प्रतिशत लोग खेती से ही जीविकोपार्जन करते हैं। और इन खेती करने वालों में 85 फीसदी लोग सीमांत या छोटे किसान हैं। इन 85 प्रतिशत लोगों के पास दोपहिया वाहन नहीं हैं और कार खरीदने का तो सवाल ही नहीं उठता है। गांवों में जिनके पास चार पहिया या दोपहिया वाहन हैं, वे बड़े किसान कहे जाते हैं। यानी गांवों में जो उपभोग की वस्तुएं खरीदते हैं, उनकी तादाद 20 प्रतिशत से भी कम ही है। इसलिए पंद्रह प्रतिशत लोगों द्वारा उपभोग की जा रही वस्तुओं के आंकड़ों से गांवों की खुशहाली का अनुमान लगाना उचित नहीं है। निश्चित रूप से गांव का गरीब अब आधुनिक विकास की दौड़ में शामिल होना चाहता है, लेकिन पैसे की कमी के चलते वह इस दौड़ में शामिल नहीं हो पा रहा है। बाजारीकरण के बाद निश्चित रूप से गांव की तस्वीर बदली है, लेकिन यदि विकास से इसे जोड़ा जाए, तो महज 20 प्रतिशत यानी बड़ी जोत वाले किसानों का विकास हुआ। गांव में बड़ी जोत वाले किसानों के पास ही संपत्ति, जायदाद और व्यापार की मोटी कमाई है। यानी मलाई वही वर्ग छान रहा है, जिसकी जमीन पर बिना जोत वाले किसान काम करते हैं। एक आंकड़े के मुताबिक, देश के 11 करोड़ से ज्यादा किसानों के पास अपनी जमीन नहीं है। पंजाब को सबसे संपन्न प्रांत माना जाता रहा है, लेकिन कर्ज में डूबकर आत्महत्या करने वाले किसानों की तादाद वहां सबसे ज्यादा है। एनएसएसओ की सर्वे रिपोर्ट बताती है कि गांवों में आजादी के लंबे अंतराल के बाद भी दस प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जिनके पास खर्च करने के लिए बमुश्किल से दस रुपये भी नहीं होते हैं। इस लिहाज से देखा जाए, तो उपभोग और विकास के अंतर्संबंधों में कोई तालमेल नहीं दिखाई पड़ता है।

कुछ अलग

पश्चिमी देशों की चमक-दमक का स्याह सच

आज सबसे धनी, विशेशकर पश्चिमी देशों के प्रति युवाओं में जबरदस्त आकर्शण है। अनेक युवाओं को लगता है कि किसी भी तरह यदि वहां पहुंच जाएं तो जिंदगी संवर जाएगी। यहां तक कि कभी-कभी वे और उनके परिवार इसके लिए जमीन-जायदाद तक बेचने को तैयार हो जाते हैं। इतना ही नहीं, अवैध रास्तों से और गैर-कानूनी तौर-तरीकों के साथ तरह-तरह के जोखिम उठाते हैं। उनकी इस आकांक्शा को निरंतर हवा देने के लिए एजेंटों और दलालों की एक पूरी फौज खड़ी कर दी गई है, जो करोड़ों कमा रही है। इस स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि अति धनी, विशेशकर पश्चिमी देशों के विशय में संतुलित जानकारी प्राप्त की जाए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संयुक्त राज्य अमेरिका (संक्शेप में अमेरिका), कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे देशों की प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है और वहां शहरों की चकाचौंध भी बहुत अधिक है। पर इस चकाचौंध का एक दूसरा पक्श भी है, जिसे जानना चाहिए। सबसे धनी देश अमेरिका की ही बात करें तो वहां के नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 2 प्रतिशत से भी कम हिस्सा है। राश्ट्रीय बजट का बड़ा हिस्सा सैन्य खर्च पर जाता है। एक वर्श में 880 अरब डॉलर सैन्य खर्च का सरकारी आंकड़ा है, जबकि इससे कई सैन्य खर्च छूट जाते हैं। अरबन इंस्टीट्यूट के अनुसार, 40 प्रतिशत लोगों के लिए किसी न किसी जरूरत के खर्च को जुटाने में कठिनाई है। किराए पर रहने वाले अधिकांश परिवारों के लिए भी कठिनाई है। लगभग साढ़े छह लाख बेघर लोग हैं। एक वर्श में 37 लाख लोगों को किराए के घर से जबरन हटाया जाता है। अमेरिका में 50 प्रतिशत विवाहों का अंत तलाक से होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार (यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे) के अनुसार हाई स्कूल के 42 प्रतिशत छात्र प्रायः दुखी और निराश स्थिति में पाए गए, जबकि एक वर्श में इनमें से 10 प्रतिशत ने आत्महत्या का प्रयास किया। यदि केवल छात्राओं के आंकड़े देखें तो 57 प्रतिशत दुखी और निराश पाई गईं, जबकि 13 प्रतिशत ने एक वर्श में आत्महत्या का प्रयास किया। 18 प्रतिशत छात्राओं ने यह भी कहा कि उनसे यौन हिंसा या जबरदस्ती का कोई न कोई प्रयास एक वर्श में किया गया। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े डॉक्टरों के संगठन बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में आपात स्थिति घोशित करने के बारे में कह चुके हैं। यूथ रिस्क बिहेवियर सर्वे के जो चौंकाने वाले आंकड़े ऊपर दिए गए हैं, वे हर कुछ वर्श बाद के सर्वेक्शण के बाद एकत्र किए जाते हैं और पिछले लगभग एक दशक से बढ़ते ही जा रहे हैं, जबकि हर सर्वेक्शण के वक्त स्थिति सुधारने के प्रयास करने के बारे में कहा जाता है। चाहे घरेलू हिंसा को देखें या यौन अपराधों को या अन्य तरह की हिंसा को, संयुक्त राज्य अमेरिका के आंकड़े डराने वाले हैं। यदि जनसंख्या में कैदियों के प्रतिशत को देखें तो विश्व के प्रमुख देशों में यहां का प्रतिशत सबसे अधिक है। सामाजिक स्तर पर भेदभाव को देखें तो अश्वेतों और प्रवासियों को कई तरह का अन्याय सहना पड़ता है। बारबारा एहरनरिच नामक विख्यात महिला पत्रकार ने इस स्थिति को राश्ट्रीय स्तर पर दर्शाने के लिए स्वयं कम मजदूरी वाले तीन रोजगार कुछ सप्ताहों के लिए किए और अपने अनुभवों के आधार पर 'निकेल एंड डाइम्ड' नामक पुस्तक लिखी जिससे पता चलता है कि निचले स्तर जैसे सफाईकर्मी या वेटर के स्तर पर किसी महिला मजदूर को कितनी कठिन जिंदगी गुजारनी पड़ती है। अतः बेहतर होगा कि किसी बाहरी चकाचौंध के चक्कर में रहने के स्थान पर हमारे युवा धनी पश्चिमी देशों के बारे में संतुलित दृश्टिकोण प्राप्त करें। कहीं ऐसा न हो कि वहां जाकर नीचे की श्रेणी में उन्हें अन्याय सहना पड़े।

देश दुनीया से

राजनेताओं से मुक्त पुलिस ही दिलाएगी

> आरोप-प्रत्यारोपों का राजनीतिक खेल चला हुआ है, जिसमें पुलिस फुटबॉल की तरह बनी हुई है। अब जबकि जनता के भारी दबाव के बाद, जांच सीबीआई को सौंपी जा चुकी है, तो सूबा सरकार पड़ताल कुछ ही दिनों में पूरी करने की मांग करने लगी है। खुद को राजनीतिक नुकसान से बचाने के लिए, इसके सदस्य आरोपियों के लिए मौत की सज़ा की मांग करने के लिए सड़कों पर उतर आए। कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए तीखी टिप्पणियां की हैं। इसने राज्य सरकार को एक नोटिस भेजा है और एक कार्य बल का गठन किया है जो अस्पतालों में सुरक्शा की समीक्शा करने के बाद सुधार के उपाय बताएगा, और कुछ अन्य सुझाव अपनी तरफ से भी दिए हैं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक युवा प्रशिक्शु डॉक्टर की बलात्कार एवं हत्या ने न केवल पश्चिम बंगाल में बल्कि समूचे देश में रोश एवं उद्वेलन पैदा किया। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल और पुलिस पर इस जघन्य अपराध की जांच में तेजी न लाने का आरोप लगा है। केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और राज्य सरकार एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगे हैं। आरोप-प्रत्यारोपों का राजनीतिक खेल चला हुआ है, जिसमें पुलिस फुटबॉल की तरह बनी हुई है। अब जबकि जनता के भारी दबाव के बाद, जांच सीबीआई को सौंपी जा चुकी है, तो सूबा सरकार पड़ताल कुछ ही दिनों में पूरी करने की मांग करने लगी है। खुद को राजनीतिक नुकसान से बचाने के लिए, इसके सदस्य आरोपियों के लिए मौत की सज़ा की मांग करने के लिए सड़कों पर उतर आए। कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए तीखी टिप्पणियां की हैं। इसने राज्य सरकार को एक नोटिस भेजा है और एक कार्य बल का गठन किया है जो अस्पतालों में सुरक्शा की समीक्शा करने के बाद सुधार के उपाय बताएगा, और कुछ अन्य सुझाव अपनी तरफ से भी दिए हैं। कोलकाता में कुछ दिन पहले एक और समस्या उत्पन्न हुई, जब शहर के विभिन्न इलाकों में कानून-व्यवस्था की नाजुक स्थिति को संभालने के लिए अधिकांश पुलिस बल की तैनाती के कारण साल्ट लेक स्टेडियम में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच डूरंड कप फुटबॉल मैच रद्द करना पड़ा। इससे भड़के युवाओं की भीड़ ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। लाठीचार्ज किया गया और कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उधर, महाराश्ट्र के बदलापुर में दो स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ की घटना ने देशभर में व्याप्त आक्रोश को और बढ़ा दिया। हमारे देश में भयावह अपराध और राजनीतिक कीचड़ उछालना कोई नई बात नहीं है। वर्शों से यही होता आया है और होता रहेगा, क्योंकि मूल बीमारी का इलाज कोई नहीं करना चाहता, केवल लक्शणों का उपचार करने में लगे रहते हैं। व्याधि यह है कि सूबों में पुलिस सत्तारूढ़ दल की निजी सेना बनकर रह गई है क्योंकि पुलिस अधिनियम, 1861 के अंतर्गत वह कार्यपालिका के प्रति जवाबदेह है – इसका मतलब है सत्तारूढ़ दल के नेताओं के आदेश से बंधना। कहने की जरूरत नहीं है कि तमाम राजनीतिक दल पुलिस पर इस किस्म के नियंत्रण से बहुत खुश हैं। यह बात भारत के सभी सूबों और पार्टियों के लिए सच है। इसीलिए आम नागरिक के लिए कोई न्याय नहीं है, क्योंकि पुलिस ज्यादातर सत्ताधारी पार्टी के निर्देशों के अनुसार काम करती है, खासकर जब मामला हाई-प्रोफाइल अपराध का हो। कार्रवाई भी सत्तारूढ़ दल के हितों को ध्यान में रखकर की जाती है। बेशक, अपना काम कुशलतापूर्वक नहीं करने के लिए दोश पुलिस नेतृत्व पर भी आता है, दुर्भाग्यवश इसके पीछे काफी हद तक वजह है भ्रश्टाचार और करिअर हितों के कारण फर्ज से समझौता करना, लिहाजा कई पुलिसकर्मी राजनेताओं से हाथ मिला लेते हैं, मुख्यतः इसलिए भी क्योंकि यह राजनेता ही हैं, जो उन्हें तरक्की-इनाम दिलवा सकता है या फिर कई तरीकों से तंग कर सकता है। हम अभी भी 1861 के कानून पर अटके पड़े हैं। एक बार पुलिस को संविधान और संसद के प्रति जवाबदेह बना दिया जाए तो स्थिति में काफी सुधार होगा। तब हमारी पुलिस भी कई अन्य देशों की भांति बिना किसी डर के, कानून के अनुसार स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकेगी। हालांकि, सोली सोराबजी समिति द्वारा मॉडल पुलिस अधिनियम बनाए कई साल गुजर गए। लेकिन कोई भी इस पर अमल नहीं करना चाहता, यहां तक कि केंद्र सरकार भी नहीं। हैरत यह है कि सुप्रीम कोर्ट, जिसने खुद 2006 में पुलिस सुधारों पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, वह भी अपने निर्देशों पर अक्शरशः कार्रवाई नहीं करने के लिए राज्य सरकारों को अवमानना नोटिस जारी करने को उत्सुक नहीं है। सूबा सरकारों ने उन निर्देशों पर महज लीपापोती की है। अंग्रेजों ने हमें पुलिस के लिए जो कानून और प्रक्रियाएं दीं, वे समय की जरूरत के अनुसार बदलती थीं और तेजी से अद्यतित होती थीं। राजनीतिक दलों द्वारा मामलों का राजनीतिकरण न किए जाने से न्याय त्वरित होता है। ब्रिटेन में हाल ही में हुए दंगों में, बिना किसी राजनीतिक हस्तक्शेप के, कुछ दंगइयों को अपराध किए जाने के कुछ ही दिनों के अंदर 20 महीने के लिए जेल भेज दिया गया है।

आप का नजरीया

सुरक्शा की पेंशन

आखिरकार केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के पेंशन के मुद्दे को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए इस उलझन को दूर करने का प्रयास किया है। उसने पुरानी पेंशन और एनपीएस के बीच का रास्ता निकाल जहां कर्मचारियों के हितों को तरजीह दी है, वहीं राजकोशीय दबाव को भी कम किया है। निस्संदेह, हाल में घोशित एकीकृत पेंशन स्कीम से कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्शा को संबल मिलेगा। जिसमें एक निश्चित पेंशन, फैमिली पेंशन का आश्वासन तथा मुद्रास्फीति के दबाव से राहत का प्रयास सम्मिलित है। इस योजना में सेवानिवृत्ति से पहले वर्श में बारह माह के औसत मूल वेतन का पचास फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा। जिसमें कर्मचारी का योगदान तो दस फीसदी ही रहेगा, लेकिन सरकार का योगदान 14 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा। यह लाभ 25 साल की सेवा के बाद मिलेगा, लेकिन दस साल की सेवा वाले व्यक्ति को भी दस हजार पेंशन का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घोशणा ऐसे वक्त में की गई है जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में चुनाव कार्यक्रम घोशित है और साल के अंत तक महाराश्ट्र व झारखंड में चुनाव होने हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्शों में विपक्शी दलों ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग को हवा देते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया था। कहा गया कि हिमाचल प्रदेश में आये जनादेश का एक बड़ा कारण पुरानी पेंशन का मुद्दा था। हालांकि, राजस्थान व पंजाब आदि राज्यों में यह मुद्दा वैसा प्रभावी नजर नहीं आया। निस्संदेह, मुद्दा लोकलुभावन तो था लेकिन पुरानी पेंशन को लागू करने से भारी वित्तीय दबाव बढ़ने की चिंता जतायी गई। तभी बीते साल आरबीआई ने ओपीएस के विकल्प का चयन करने वाले राज्यों पर बढ़ने वाले आर्थिक दबाव पर चिंता जतायी थी। निस्संदेह, इससे सरकारों का राजकोशीय घाटा निरंतर बढ़ने का भी खतरा था। जिसके चलते इस योजना को वर्श 2004 में समाप्त किया गया था। फिर उसी राह पर लौटना व्यावहारिक भी नहीं था। दरअसल, राजग सरकार का कहना है कि एकीकृत पेंशन योजना वित्तीय अनुशासन के अनुरूप है, जो कि सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के साथ कर्मियों के अंशदान से मूर्त रूप लेती है। जिससे जहां एक ओर सेवानिवृत्ति के बाद कर्मियों को वित्तीय सुरक्शा मिल सकेगी, वहीं राजकोशीय विवेक में भी संतुलन बन सकेगा। दरअसल, विपक्शी दलों द्वारा पुरानी पेंशन को मुद्दा बनाने के बाद केंद्र सरकार ने इसके विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। फिर अप्रैल 2023 में तत्कालीन वित्त सचिव टीवी सोमनाथ की प्रधानी में बनी कमेटी ने चिंतन-मनन के उपरांत जो सिफारिश सरकार को सौंपी, बीते शनिवार मोदी सरकार के मंत्रिमंडल ने उसे हरी झंडी दिखा दी। बहरहाल, यह लोकतंत्र की खूबसूरती कही जा सकती है कि जन दबाव में सरकार को बड़ा फैसला लेना पड़ा है। निस्संदेह, पूरा जीवन राजकीय सेवा में लगाने वाला कर्मचारी रिटायर होने के बाद आर्थिक असुरक्शा में घिर जाता है।

कांग्रेस के भ्रष्टाचार का स्मारक है कानपुर का लाल इमली : सीएम योगी आदित्यनाथ

कानपुर (हिंस)। कानपुर का एक समय था कि यहां कि चिमनियों से बराबर धुआं निकलता था। यहां के उद्योग धंधे पूरे देश में प्रसिद्ध थे। इसीलिए, कानपुर को उत्तर पूर्व का मैनचेस्टर कहा जाता था लेकिन कांग्रेस की सरकार की वजह से यहां के उद्योग धंधे धीरे-धीरे बंद हो गए। इससे रोजगार के संकट पैदा हुए हैं और लोग बेरोजगार हो गए। अभी मैं अपने वरिष्ठ मंत्री सुरेश खन्ना के साथ कार से आ रहा था तो रास्ते में लाल इमली मिल देखा कि इतना बड़ा उद्योग धंधा कांग्रेस की नीतियों से कैसे बंद हो गया जो देश ही नहीं विदेश में भी अपना डंका बजवाता था। इस पर हमने तय किया है कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार का स्मारक बन चुकी लाल इमली का पुनरुद्धार कराया जाएगा। यह बातें गुरुवार को 745 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने कानपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानपुर पहुंचे और सीसामऊ विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को देखते हुए सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज चुन्नीगंज में जनसभा को संबोधित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने आठ हजार से अधिक छात्रों को टैबलेट व स्मार्टफोन वितरित किया। इसके साथ ही एक हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र प्रदान किया और बाद में 745 करोड़ की विकास योजनाओं का बटन दबाकर शिलान्यास व लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने सुरक्षा, सुशासन और विकास का मॉडल दिया है। जबकि इसके पहले सपा सरकार में उत्तर प्रदेश अपनी पहचान के लिए मोहताज था। गुंडागर्दी और अपराध व दंगे उनकी सरकार में होते थे। जो नौजवान बाहर जाता था, उसे अपनी पहचान का संकट होता था। साढ़े सात वर्ष के कार्यकाल में हमने विकास सुशासन और कानून व्यवस्था कैसी होनी चाहिए, आज उत्तर प्रदेश तय कर रहा है। अभी मैं रास्ते में अपने वरिष्ठ सहयोगी मंत्री सुरेश खन्ना के साथ आ रहा था तो रास्ते में एक इमारत मिली जिसका नाम है लाल इमली। यह लाल इमली जो कभी अपनी पहचान देश ही नहीं विदेशों में बनाई हुई थी। आज कांग्रेस के भ्रष्टाचार का स्मारक बन चुकी है। हमारी सरकार बड़े पैकेज के साथ इसका पुनरुद्धार करवाएगी और एक बार फिर लाल इमली के उत्पाद वैश्विक स्तर पर पहचान बनाएंगे। पूर्ववर्ती सपा सरकार पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सपा के लोग अपने इतिहास की पुनरावृति करने को आतुर हैं। इनकी पहचान गुंडागर्दी अपराध और व्यापारियों को परेशान करना है। इनका दिखावे का चेहरा और है। अंदर का चेहरा और है। आज जो अपने कृत्य से सीसामऊ विधानसभा का विधायक इरफान सोलंकी जेल में बंद है। वह देश के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जो कानपुर के ही रहने वाले हैं, उनके आगमन पर दंगों की साजिश रच रहा था। अभी हाल ही में इनके तीन कांड सामने आए हैं। अयोध्या में एक निषाद बेटी के साथ इनका नेता बलात्कार की घटना को अंजाम दिया। दूसरी घटना लखनऊ में इन्हीं के लोगों ने किया। जब बारिश के दौरान पिता बेटी रास्ते से निकल रहे थे और उनके ऊपर पानी फेंका जा रहा था। तीसरी घटना कन्नौज की है जिसे नवाब कांड कहा जाता है। इसमें भी इन्हीं का नेता बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ कर रहा था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारी सरकार में सरकारी नौकरी में किसी को सिफारिश की जरूरत नहीं पड़ती है। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से होती है। हम लोग युवाओं को रोजगार देने के लिए उद्योगों को बढ़ावा दे रहे हैं। 2017 में हमने 20000 करोड़ का लक्ष्य ग्लोबल इन्वेस्टर समिति में रखा था जो अब 40000 करोड़ का हो गया है। आगामी साल में 2 लाख सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं। इसमें 60 हजार पुलिस भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस भर्ती की प्रक्रिया भी इस तरह चल रही है कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता एक लाख पुलिस की भर्ती की जाएगी। उसमें 20 फीसदी बेटियों की भर्ती होगी। एक करोड़ से अधिक नौजवानों के लिए प्राइवेट क्षेत्र में नौकरी दी जाएगी। 50 लाख नौजवानों को योजनाओं के जरिए स्वत: रोजगार के लिए जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज कानपुर मेट्रो सिटी बन चुका है। भाजपा सरकार में विकास भी होगा सुरक्षा भी होगी और सुशासन का मॉडल भी होगा। सीसामऊ सीट से सपा विधायक रहे इरफान के पाप का घढ़ा फूट चुका है और वह आज जेल में है। हम सीसामऊ की जनता से अपील करते हैं कि विकास के साथ आएं। भाजपा सरकार में विकास की योजनाओं का लाभ सबको दिया जा रहा है। न किसी की जाति देखी जा रही है न धर्म देखा जा रहा है। अभी जो 745 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण हुआ है, यह सभी के लिए है। हमें उम्मीद है कि अबकी बार उपचुनाव में सीसामऊ की जनता विकास के साथ खड़ी होगी।

सोशल मीडिया पर सार्वजनिक टिप्पणियां अनुचित : राठौड़

जयपुर (हिंस)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल की टिप्पणी के बाद उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर चल रही सार्वजनिक टिप्पणियों की निंदा करते हुए इसे अनुचित बताया है। राठौड़ ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि विगत कुछ दिनों से भाजपा सदस्यता अभियान की कार्यशाला में प्रभारी महोदय की टिप्पणी की आड में कतिपय सामाजिक व राजनीतिक संगठन चाय के प्याले में तूफान खड़ा करके मुझे लेकर कई प्रकार की सार्वजनिक टिप्पणियां कर रहे हैं जिसे मैं अनुचित मानता हूं। उन्होंने कहा कि मैं विगत 35 वर्षों से पार्टी का अनुशासित कार्यकर्ता रहा हूं। पार्टी की रीति-नीति व विचारधारा के आधार पर मैंने अपना राजनीतिक जीवन आगे बढ़ाया है तथा भविष्य में भी अनुशासनबद्ध होकर पार्टी के साधारण कार्यकर्ता के रूप में पार्टी नेतृत्व के निर्देशों की पालना करता रहूंगा। मुझे मेरे सार्वजनिक जीवन में जिन लोगों व कार्यकर्ताओं का सहयोग, समर्थन व प्यार मिला है, उनके लिए मैं जीवन पर्यंत आभारी रहूंगा लेकिन मेरे नाम से की गई टिप्पणियों को मैं अनुचित मानता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सब लोग मेरी भावनाओं को समझेंगे। राठौड़ ने कहा, मैं लगातार पार्टी नेतृत्व, संगठन के प्रभारी, प्रदेशाध्यक्ष व मुख्यमंत्री के सतत संपर्क में हूं और डबल इंजन की सरकार के माध्यम से गरीब को गणेश मानकर सेवा का कर्म प्रत्येक स्थिति में जारी रखूंगा। उल्लेखनीय है कि जयपुर में गत सप्ताह भाजपा सदस्यता अभियान की बैठक हुई थी। इस दौरान प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा था कि राजेंद्र राठौड़ बैठक बीच में छोड़कर चले गए। प्रदेश प्रभारी ने अपने भाषण में पूछा-राजेंद्र राठौड़ कहां चले गए ? मैं सब पर नजर रखता हूं। इस बहाने उनकी अटेंडेंस भी लग गई। उनसे पूछा जाना चाहिए कि किस कारण से उन्हें बैठक छोड़कर जाना पड़ा ? उसके बाद एक्स पर राजेंद्र राठौड़ नहीं तो भाजपा नहीं कई बार ट्रेंड हुआ। इसमें प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल व राजेन्द्र राठौड के खिलाफ भी खूब कमेंट किए गए हैं। गत शनिवार को भी इसे लेकर राठौड ने अपना स्पष्टीकरण दिया था।

कानून व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सशक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की 8 करोड़ जनता का पुलिस पर विश्वास है तथा यह महकमा इसी विश्वास को कायम रखते हुए राज्य में अपराध को नियंत्रित कर रहा है जिससे राजस्थान के शांति प्रिय राज्य के दर्जे को दोबारा कायम किया जा सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने शुरू से ही कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है तथा आगे भी आमजन की अपेक्षा के अनुरूप पुलिस तंत्र को और मजबूत बनाया जाएगा जिससे कानून व्यवस्था सुदृढ़ तथा मजबूत बन सकें। शर्मा गुरूवार को राजस्थान इन्टरनेशनल सेंटर में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर इस वर्ष जयपुर में जनवरी में आयोजित हुए अखिल भारतीय डीजीपी-आईजीपी कांफ्रेंस की देश भर में तारीफ की गई। इस कांफ्रेंस में दिए गए निर्देशों की पूर्ण पालना एवं समयबद्ध रूप से मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। इसी दिशा में आज आयोजित हो रहे इस सम्मेलन से प्रदेश में पुलिसिंग की कार्यप्रणाली बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार द्वारा गठन के अगले दिन ही एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स तथा पेपर लीक प्रकरणों को रोकने के लिए एसआईटी का गठन जैसे निर्णय यह दर्शाते है कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था का इकबाल बुलंद करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अपराध का स्वरुप बदल गया है साइबर क्राइम से लेकर संगठित अपराध जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए पुलिस को अधिक सशक्त बनकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा प्रदेश में ऑपरेशन एंटीवायरस के तहत साइबर क्राइम को रोकने के लिए अच्छा काम किया जा रहा है। इसे तेज गति देते हुए साइबर क्राइम को पूर्ण समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं में नशे की प्रवृति पर रोकथाम अति आवश्यक है। साथ ही भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पुलिस निष्पक्ष एवं ईमानदारी से काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस राज्य का सबसे महत्वपूर्ण तंत्र होता है तथा कोई भी राज्य बिना दंड के नहीं चल सकता लेकिन दंड की परिभाषा सुनिश्चित करनी पडेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कार्मिकों को पुरस्कार तथा अपराधियों पर शिथिलता बरतने वाले पुलिसकर्मियों को चिन्हित करेगी। उन्होंने कहा कि महिला अपराध को कम करने एवं महिला सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस विभाग को किसी भी तरह के साधन-संसाधन में कमी नहीं होने दी जाएगी। साथ ही, पुलिस महकमे में महिला संख्या बल को बढ़ाया जाएगा तथा पुलिस भर्ती की जाएगी। कार्यक्रम मे गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए राजस्थान पुलिस सदैव तत्पर रहती है। राज्य को *अपराध मुक्त राजस्थान* बनाने के लिए पुलिस निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पुलिस विभाग का मनोबल ऊंचा है तथा मुख्यमंत्री सदैव विभाग को प्रोत्साहित करते रहते है। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि अपराध नियंत्रण में राजस्थान जिस गति से कार्य कर रहा है उससे देश मे प्रदेश की अच्छी छवि बनी है। उन्होंने अपराध नियंत्रण के लिए परंपरागत पुलिसिंग को भी बढ़ावा देने तथा नए कानूनां के प्रशिक्षण के लिए पुलिस कार्मिकों को आइगोट मिशन कर्मयोगी जैसे डिजीटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने पर जोर दिया।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करेगी कांग्रेस : बाबरिया

चंडीगढ़ (हिंस)। विधानसभा चुनाव लड़ने का सपना देख रहे सांसदों के अरमानों पर पानी फेरने के बाद अब कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि दो बार या इससे अधिक बार चुनाव हारे हुए नेताओं को भी उम्मीदवार नहीं बनाया जाएगा। पार्टी सीटिंग गैटिंग के फार्मूले पर भी गंभीरता से मंथन कर रही है। साथ ही कांग्रेस चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करेगी। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के बाद हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया ने बताया कि पार्टी इस विधानसभा चुनाव में किसी को भी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करेगी। अभी तक 60 सीटों पर पैनल के लिए चर्चा हो चुकी है। बाबरिया ने कहा कि पार्टी ने दो बार चुनाव हार चुके नेताओं को टिकट नहीं देने का निर्णय लिया है। बाबरिया ने कहा कि यह एक फैक्टर है कि उनका टिकट काटा जा सकता है। तीन बार चुनाव हार चुके और जमानत जब्त करा चुके उम्मीदवारों को टिकट नहीं देने का नीतिगत फैसला हो चुका है। अबकी बार पार्टी दागी चेहरों को भी चुनावी दंगल से दूर रखने पर गंभीरता से विचार कर रही है। पिछले दिनों आवेदन करने वाले व्यक्तियों से अपने-अपने बूथ की कमेटियों की सूची भी तलब की थी। जिन दावेदारों ने बूथ कमेटियां जमा नहीं कराई हैं, उनकी टिकटों पर कैंची चल सकती है। नई दिल्ली में हुई कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के दूसरे दिन कमेटी अध्यक्ष अजय माकन और सदस्यों ने भागीदारी की। बैठक में इस बात पर सहमति बनाने के प्रयास चल रहे हैं कि कांग्रेस हाईकमान के पास सिंगल नाम का पैनल भेजा जाएगा। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के दूसरे दिन गुरुवार को भी उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई। इससे पहले बुधवार को बैठक के पहले दिन कांग्रेस ने किसी भी सांसद अथवा राज्यसभा सदस्य को विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाने से इनकार कर दिया था। अब कांग्रेस ने दो बार अथवा दो बार से ज्यादा विधानसभा चुनाव हार चुके लोगों को विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया जाएगा। स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में राज्य की सभी 90 विधानसभा सीटों पर आए 2556 दावेदारों के नामों पर विचार विमर्श के बाद इनकी छंटनी कर दी गई है। अगले दो दिनों में एक से तीन तक नामों के पैनल को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। पैनल में कांग्रेस के प्रमुख नेताओं खासकर सांसदों व राज्यसभा सदस्यों के सुझाव की झलक दिखाई दे सकती है। कांग्रेस में एक विधायक को छोड़कर कांग्रेस के सभी मौजूदा 28 विधायकों ने टिकटों के लिए आवेदन किया है, ताकि कार्यकर्ताओं के बीच यह तसल्ली बनी रहे कि टिकट हासिल करने के लिए विधायकों को भी आवेदन करने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है।

कांग्रेस मुख्य सचेतक रफीक खान से मारपीट

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के मुख्य सचेतक व आदर्श नगर विधानसभा से विधायक रफीक खान पर गुरुवार दोपहर एक व्यक्ति द्वारा हमला करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार जनसुनवाई के बाद विधायक रफीक खान अपने बनीपार्क स्थित अपने आवास से निकलकर विधानसभा जा रहे थे। गाड़ी में बैठते समय भागते हुए आए व्यक्ति ने उनके साथ मारपीट कर दी। वहां मौजूद लोगों ने तुरंत उसको पकड़ सदर थाना पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने विधायक पर हमला करने वाले आरोपी व्यक्ति को पकड़कर थाने ले आई। जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि सदर थाना इलाके में स्थित बनीपार्क में कांग्रेस विधायक रफीक खान आवास है। जहां कांग्रेस विधायक रफीक खान अपने घर पर जनसुनवाई कर रहे थे।

धर्म के आधार पर बीएलओ बदलना असंवैधानिक : देवी

मीरजापुर (हिंस)। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने मझवां विधानसभा क्षेत्र से मुस्लिम बीएलओ को हटाकर गैर मुस्लिम बीएलओ की तैनाती करने का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग से शिकायत करने की बात कही। सपा जिलाध्यक्ष ने उप-चुनाव के पूर्व जातीय आधार पर किए गए परिवर्तन पर आश्चर्य जताया। उन्होंने बीएलओ बदलने को भाजपा की साजिश बताया। श्री चौधरी ने कहा कि कुंदरकी, सीसामऊ के बाद अब मझवां विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम बीएलओ को हटाया जा रहा है। उपचुनाव से पहले धर्म के आधार पर बीएलओ का बदला जाना अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। उन्होंने हटाए गए मुस्लिम बीएलओ के नामों की सूची निर्वाचन आयोग को भेजने और जांच करा कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कहा कि मांग न माने जाने पर चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा।

लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने किया हिसार सैन्य स्टेशन का दौरा

जयपुर (हिंस)। सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने डॉट ऑन टारगेट डिवीजन की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा करने के लिए हिसार सैन्य स्टेशन का दौरा किया। आर्मी कमांडर को डॉट ऑन टारगेट डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमित तलवार ने फार्मेशन के ऑपरेशनल पहलुओं, विशिष्ट प्रौद्योगिकी निवेश और क्षमता विकास पहल के बारे में जानकारी दी। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) जयपुर (राजस्थान) कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार आर्मी कमांडर ने भविष्य के युद्धों की तैयारी के लिए फॉर्मेशन द्वारा अपनाए गए नवाचारों की सराहना की और जीत हासिल करने में आधुनिक तकनीक के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रशिक्षण पद्धति की समीक्षा की और लाइव प्रशिक्षण

अभ्यास भी देखा। उन्होंने कठोर प्रशिक्षण के माध्यम से विकसित मजबूत मानव-मशीन संबंध की सराहना की। आर्मी कमांडर ने अत्याधुनिक काउंटर ड्रोन नोड का दौरा किया और ड्रोन द्वारा खतरे का मुकाबला करने के लिए फॉर्मेशन के प्रशिक्षण और अभ्यास को समीक्षा की। उन्हें स्वच्छ भारत अभियान में योगदान देने वाले प्रभाग की हरित पहल और अपशिष्ट पुनर्चक्रण प्रथाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। अधिकारियों जेसीओ और अन्य पदों के साथ बातचीत के दौरान, आर्मी कमांडर ने उनकी गतिशीलता, पेशेवर उत्कृष्टता और कर्तव्य के प्रति समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने सभी पदों को योग्यता के लिए निरंतर प्रयास करने, नवीनतम तकनीकों को अपनाने और आधुनिक युद्ध में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए विश्लेषणात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों के रूझान को देखते हुए रिक्त सीटों पर ऑन स्पॉट काउंसलिंग तीन को

हिसार (हिंस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के विभिन्न विभागों के कोर्सिज में रिक्त/छोड़ी गई सीटों पर दाखिलों के लिए ऑन-स्पॉट काउंसलिंग का आयोजन तीन सितंबर को होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि विद्यार्थियों के दाखिलों के प्रति रुझान को देखते हुए विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सिज में रिक्त/छोड़ी गई सीटों पर काउंसलिंग संबंधित विभागों में तीन सितंबर को होगी। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने गुरुवार को बताया कि जिन उम्मीदवारों ने विश्वविद्यालय के कोर्सिज में दाखिले के लिए पहले से आवेदन किया हुआ है, वे इस काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। इसके साथ ही नए उम्मीदवार, जिन्होंने विश्वविद्यालय के कोर्सिज में पहले से दाखिले के लिए आवेदन नहीं किया हुआ।

विहिप का उद्देश्य सनातन संस्कृति की स्थापना : पटेल

जोधपुर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत शहर के सभी प्रखंडों में विराट शक्ति संगम कार्यक्रम कर विहिप के 60 वर्षों की उपलब्धियां व कार्य योजना बता समाज को जुड़ने का कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत बागर प्रखंड का राम मोहल्ला रामद्वारा में हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विहिप प्रांत संगठन मंत्री राजेश पटेल ने कहा कि जन्माष्टमी पर संतों के सानिध्य में शुरू हुए विहिप का उद्देश्य ही सनातन संस्कृति की स्थापना के साथ जीवन मूल्यों की पुनर्प्रतिष्ठा कर राष्ट्र का नव निर्माण करना था। उन्होंने कहा कि साठ वर्षों में विहिप ने रामसेतु बचाने के लिए देशभर में चक्का जाम हो या बुड्ढा अमरनाथ यात्रा सहित कार्य संतों के मार्गदर्शन व संगठन के नेतृत्व में हुए। जिला सहमंत्री मदन सिंह राजपुरोहित ने बताया कि दईजर प्रखंड का कार्यक्रम

माणकलाव चौराहे पर हुआ जिसमें मुख्य वक्ता पंडित राजेश दवे ने देश में वर्तमान स्थिति व हिंदू समाज पर आ रहे संकट पर प्रकाश डाला और कहा कि संगठित हिंदू से ही अब आगे का जीवन सहज होगा। विहिप महामंदिर प्रखंड के नरेंद्र सिंह ने बताया कि महामंदिर प्रखंड द्वारा शक्ति संगम माता थान पर हुआ जिसमें मुख्य वक्ता विहिप प्रांत सहमंत्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने विचार रखे। इस अवसर पर प्रदीप सांखला धारुराम मेघवाल, करण देवड़ा, दिनेश चौहान, खुशाल प्रजापत यशपाल कच्छवाहा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजद 2025 के विधानसभा चुनाव में सात से आठ सीटों पर सिमट कर रह जाएगी : अनंत सिंह

पटना (हिंस)। बिहार में मोकामा के पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह गुरुवार को एक मामले की सुनवाई के लिए एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। यहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) 07-08 सीटों पर सिमट कर रह जाएगी। अनंत सिंह ने कहा कि तेजस्वी यादव के पिता ने घोटाला किया, तेजस्वी यादव पर भी घोटाले का आरोप है। बिहार की जनता अच्छी तरह जानती है कि किसने कितने दिन जेल में बिताए हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बकवास करते हैं, हम उनकी बात नहीं सुनना चाहते। अनंत सिंह ने 2025 का विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ने की भी बात कही। अनंत सिंह ने इस दौरान सीएम नीतीश कुमार की भी तारीफ

की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं और जब तक वो जिंदा हैं, सीएम बने रहेंगे। कोई और कुछ नहीं कर पाएगा। नीतीश कुमार को हटाने की सारी साजिशें बेकार हैं। हम जेल से बाहर आ चुके हैं और उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। उल्लेखनीय है कि अनंत सिंह रामजन्म सिंह हत्याकांड के मामले में पेश होने के लिए कोर्ट आए थे। पेशी के बाद अनंत सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस मामले में मुझे फंसाया गया है। लेकिन अब दूसरा पक्ष समझौता करने को तैयार है। मुझे कोर्ट पर पूरा भरोसा है, सभी को कोर्ट पर भरोसा रखना चाहिए।

बुंदेलखंड में किसानों ने पहली बार शुरू की अपराजिता फूलों की खेती

हमीरपुर (हिंस)। बुंदेलखंड में पहली बार अपराजिता फूलों की खेती पर किसानों ने दांव लगाया है। कम लागत में मोटा मुनाफा देने वाली अपराजिता फूलों की खेती से आने वाले दिनों में किसानों की तकदीर बदलेगी। इस समय फालतू जमीन पर अपराजिता की बेल पर नीले रंग के फूल खिलने से किसानों के चेहरे में बड़ी मुस्कान देखी जा रही है। बुंदेलखंड में परंपरागत खेतीबाड़ी में लाखों किसानों की माली हालत आज भी बदतर है। हर साल दैवीय आपदा के कारण किसानों की फसलों को बड़ा नुकसान होता है। पिछले साल खरीफ की फसलें ही बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि होने से धोखा दे गई थी जबकि रबी की फसल को भी मौसम की मार से तगड़ा झटका लगा था। इसीलिए यहां के किसानों ने परंपरागत खेती के बीच ऐसी खेती की तरफ कदम बढ़ाए है जो कम लागत में कई गुना तक मुनाफा देती है। हमीरपुर, महोबा और आसपास केतमाम इलाकों में इन दिनों किसानों ने अपराजिता के फूलों की खेती पहली मर्तबा शुरू की है। हमीरपुर जिले के गोहांड और राठ क्षेत्र के कई गांवों में किसानों ने अपराजिता के फूलों की खेती पर दांव लगाया है। चिल्ली गांव के रघुवीर सिंह ने बताया कि पहली बार एक

बीघे की फालतू जमीन पर अपराजिता के पौधे लगाए गए है। इस समय अपराजिता के फूलों की बेल काफी बड़ी हो गई है। इसमें नीले रंग के खूबसूरत फूल भी खिलने लगे है। बताया कि अगले सीजन में इसकी खेती का दायरा बढ़ाया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी आशीष कटियार ने बताया कि विभाग से अभी इसकी खेती करने वाले किसानों को अनुदान नहीं दिया जा रहा है। बताया कि अपराजिता के फूलों की खेती से किसानों की अतिरिक्त आमदनी बढ़ेगी। हमीरपुर जिले के गोहांड क्षेत्र के चिल्ली गोहानी गांव में बंजर जमीन पर अपराजिता के फूलों की खेती किसानों ने शुरू की है। इसकी खेती करने वाले रघुवीर सिंह समेत अन्य किसानों ने बताया कि ये मेडिसिन पौधा है जिससे आमदनी कई गुना तक होती है। बताया कि अपराजिता फूल के बीज दो हजार रुपए किलो के हिसाब से खरीदा गया है एक बीघे जमीन पर बीज डाले गए थे। अब इसकी बेल खेतों में लगातार तेजी से बढ़ रही है। किसान ऋषि शुक्ला ने बताया कि अपराजिता के फूलों की खेती से किसान मोटा मुनाफा ले सकता है। बताया कि इसकी खेती किसी भी वातावरण में की जा सकती है। गर्मी से लेकर सूखे की स्थिति में भी अपराजिता के फूलों से खेत भर जाते है। किसान रघुवीर सिंह ने बताया कि इसकी खेती में लागत बहुत कम आती है लेकिन इससे तीन गुना तक लाभ मिलता है। इसीलिए किसानों ने इसकी खेती की तरफ रुख किया है। आर्थिक तंगी से झेल रहे किसानों ने अपराजिता के फूलों की खेती से अपनी तकदीर चमकाने में जुट गए है। किसानों ने बताया कि एक एकड़ में अपराजिता के फूलों की खेती से दस क्विंटल तक फूल मिलते है। बाजार में इसके फूल पांच सौ रुपए किलो बिकते है। चाय बनाने वाली कम्पनी किसानों से अपराजिता के फूल खरीदते है। जिला उद्यान अधिकारी आशीष कटियार ने बताया कि किसान अपने खर्चे से इसकी खेती शुरू की है।

मुकेश अंबानी ने की एआई क्लाउड की घोषणा अब 100 जीबी तक फ्री मिलेगा क्लाउड स्टोरेज

नई दिल्ली/मुंबई। देश के जाने-माने उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गुरुवार को 47वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर का ऐलान किया। उन्होंने एजीएम को संबोधित करते हुए कहा कि इसमें जियो यूजर्स को 100 जीबी तक का फ्री क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। आरआईएल-डिज्नी विलय पर कहा कि यह भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत है।

मुकेश अंबानी ने 47वीं एजीएम के दौरान शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, मैं जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। आज, मैं घोषणा कर रहा हूं कि जियो उपयोगकर्ताओं को अपने सभी फोटो, वीडियो, दस्तावेज, डेटा और अन्य सभी डिजिटल सामग्री को सुरक्षित रूप से स्टोर करने और एक्सेस करने के लिए 100 जीबी तक मुफ्त क्लाउड स्टोरेज मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास अधिक स्टोरेज की आवश्यकता वाले लोगों के लिए बाजार में सबसे किफायती कीमतें भी होंगी। हम इस साल दिवाली से जियो एआई क्लाउड वेलकम ऑफर लॉन्च

कहा-आरआईएल-डिज्नी विलय भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत

करने की योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस 5 सितंबर, 2024 को 1:1 रेश्यो में बोनस इश्यू देने पर विचार करेगी। मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका तेल से लेकर दूरसंचार तक का कारोबार करने वाला समूह अल्पकालिक लाभ कमाने और संपत्ति जमा करने के कारोबार में नहीं है, बल्कि उसका ध्यान देश के लिए धन सृजन पर है। आरआईएल के शेयरधारकों की 47वीं सालाना आम बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जियो 8 सालों में दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल डेटा कंपनी बन गई है। प्रत्येक जियो यूजर्स प्रति माह 30 जीबी डेटा का उपभोग करता है। इसकी कीमत विश्व एवरेज की एक चौथाई है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी।

अंबानी ने बताया कि दुकानों की संख्या के मामले में शीर्ष 5 वैश्विक खुदरा विक्रेताओं में रिलायंस रिटेल शामिल है। बाजार पूंजीकरण के मामले में यह शीर्ष 10 खुदरा विक्रेताओं में शामिल है। कर्मचारियों की संख्या के मामले में भी शीर्ष 20 खुदरा विक्रेताओं की सूची में रिलायंस रिटेल का नाम शामिल है। आरआईएल-डिज्नी विलय पर मुकेश अंबानी ने कहा कि यह भारत के मनोरंजन उद्योग में एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि हम कंटेंट निर्माण को डिजिटल स्ट्रीमिंग के साथ जोड़ रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से गुरुवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिका में दूसरी तिमाही के जीडीपी अनुमान आने के पहले निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते नजर आए। इसके साथ ही कुछ दिग्गज कंपनियों के निराशाजनक तिमाही परिणामों की वजह से बाजार पर दबाव भी बना रहा। इस दबाव की वजह से एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,592.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 198.79 अंक यानी 1.12 प्रतिशत टूट कर 17,556.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,184.85 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 8,343.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,577.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 100.48 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,782.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सरकारी टेलिकॉम कंपनी ने नहीं चुकाया लोन, बैंक ने किए खाते बंद

नई दिल्ली। सरकारी टेलिकॉम कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) बुरे दौर से गुजर रही है वह कर्ज में डूब गई है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बकाया भुगतान नहीं करने पर एमटीएनएल के सभी खातों पर रोक लगा दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कंपनी को लोन नहीं चुकाने पर सभी खाते बंद कर दिए हैं यह जानकारी 21 अगस्त को दी गई थी। कंपनी ने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 21 अगस्त के पत्र के जरिये एमटीएनएल को बताया कि उसका खाता एनपीए में डाल दिया गया है। इस वजह से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ हमारे सभी खाते अपने-आप ही फ्रीज हो गए। इससे पहले जुलाई में एमटीएनएल के शेयरों ने जबरदस्त तेजी आई थी। महज 42 रुपए से चढ़कर इसका भाव 101 रुपए पर पहुंच गया यानी एक महीने में पैसा दोगुना से ज्यादा हो गया था लेकिन 29 जुलाई के बाद एमटीएनएल के शेयरों में लगातार गिरावट आती गई और अब यह 60 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। एमटीएनएल ने इन बैंकों से कुल 5,573.52 करोड़ रुपए का लोन ले रखा था। घाटे में चल रही दूरसंचार कंपनी ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कुल 7,873.52 करोड़ रुपए उधार लिए हैं और कंपनी का कुल ऋण 31,944.51 करोड़ रुपए है। अगस्त की शुरुआत में एमटीएनएल ने शेयर बाजार को बताया था कि उसने 422.05 करोड़ रुपए के बैंक कर्ज भुगतान में चूक की है।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.89 रुपये पर बंद हुआ जबकि गत दिवस ये 83.97 पर बंद हुआ था। इससे पहले गुरुवार को सुबह वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे बढ़कर 83.88 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.92 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.88 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.97 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ ही 100.92 पर पहुंच गया।

ब्रॉडर मार्केट में बिकवाली का दबाव

उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

बाजार की मजबूती के बावजूद निवेशकों को 31 हजार करोड़ का नुकसान

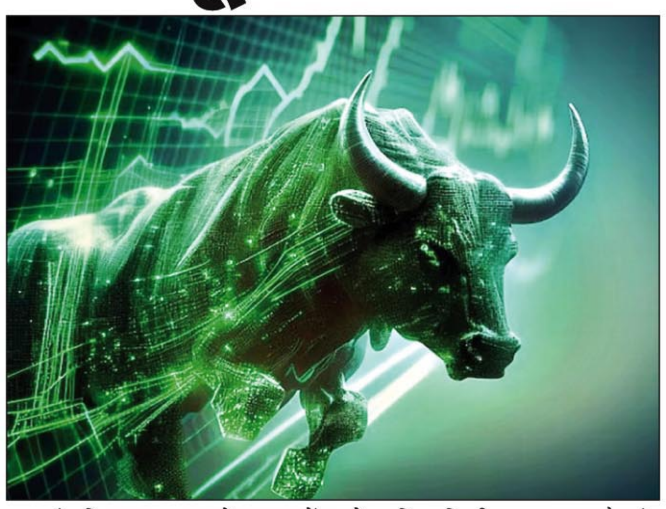

नई दिल्ली। पूरे दिन चले उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू शेयर बाजार ने गुरुवार को एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया। गुरुवार को कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ऑल टाइम हाई लेवल का रिकॉर्ड बनाने के साथ ही ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का रिकॉर्ड बनाने में भी सफल रहे। हालांकि मजबूती के नए शिखर पर पहुंचने के बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान गुरुवार को आईटी, ऑयल एंड गैस, टेलीकॉम और एफएमसीजी सेक्टर में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर मेटल, पावर, कमोडिटी और इंडस्ट्रियल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया। गुरुवार को बाजार में आई मजबूती के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 462.72 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 463.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को गुरुवार के कारोबार से करीब 31 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिनभर के कारोबार में गुरुवार को बीएसई में 4,047 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,426 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,522 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 99 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में गुरुवार को 2,362 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 715 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,647 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स गुरुवार को 37 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,822.56 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। दोपहर 2 बजे तक खरीदारी जारी रहने के कारण इस सूचकांक में लगातार तेजी बनी रही। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक 102.78 अंक की कमजोरी के साथ 81,682.78 अंक तक लुढ़क गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर दिखाया और चौतरफा लिवाली करके इस सूचकांक को 500.27 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 82,285.83 अंक तक पहुंचा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 349.05 अंक की बढ़त के साथ 82,134.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने गुरुवार को 17.05 अंक की कमजोरी के साथ 25,035.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। हालांकि दोपहर 2 बजे के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आई। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 53.85 अंक की कमजोरी के साथ 24,998.50 अंक तक लुढ़क भी गया। इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक ने 140.55 अंक की तेजी के साथ 25,192.90 अंक के स्तर तक पहुंच कर लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने में सफलता हासिल की।

गुरुवार को पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे गिर कर 99.60 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का रिकॉर्ड बनाते हुए 25,151.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। लगातार चार दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद गुरुवार को घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी नजर आ रही है। इस तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,410 रुपये से लेकर 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67,310 रुपये से लेकर 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गुरुवार को तेजी का रुख बना हुआ है। कीमत में आई इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 88,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,310 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गुरुवार को सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच लचीली बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्था : एनसीएईआर

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर आई है। वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है। लेकिन कुछ उच्च आवृत्ति संकेतकों में नरमी के कारण परिदृश्य नरम प्रतीत होता है। राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) ने जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

एनसीएईआर ने अगस्त महीने के लिए जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (खाद्य और गैर-खाद्य दोनों) की बैंक ऋण वृद्धि जून, 2024 में कम हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक व्यक्तिगत ऋण वृद्धि और सेवा क्षेत्र के लिए बैंक लोन में कमी आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई, 2024 में विनिर्माण और सेवाओं के लिए क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में मामूली गिरावट दर्ज हुई, लेकिन इसकी विस्तारवादी गति बनी रही। हालांकि, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) और प्रमुख उद्योगों के लिए आईआईपी में वृद्धि जून 2024 में कम हुई है। आर्थिक थिंक टैंक एनसीएईआर की जारी समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुख्य महंगाई जुलाई 2024 में घटी है, जिसका मुख्य कारण खाद्य मुद्रास्फीति में कमी आना है। रिपोर्ट के अनुसार मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति में कमी के कारण जुलाई, 2024 में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति में भी गिरावट आई है। इसमें यह भी कहा गया है कि जुलाई, 2024 में वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया, जबकि सेवा व्यापार अधिशेष में क्रमिक रूप से वृद्धि हुई है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में खोली शाखा, चीफ जस्टिस ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने राजधानी नई दिल्ली स्थित सुप्रीम कोर्ट परिसर में गुरुवार को अपनी एक शाखा खोली है। बैंक ने इस शाखा को न्यायालय तथा उसके घटकों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए खोला है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने जारी एक बयान में कहा कि बैंक के सुप्रीम कोर्ट परिसर स्थित इस शाखा का उद्घाटन भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अन्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर मौजूद रहे वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू ने बैंक की इस पहल की सराहना की।

बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निधू सक्सेना ने कहा कि 'मल्टी-फंक्शन कियोस्क' युक्त 'इंटरनेट सक्षम इंटरैक्टिव डिवाइस' ग्राहकों को बैंक कर्मचारियों की सहायता के बिना ही बहुविध लेन-देन करने में मदद करते हैं। इसके साथ ही ये चौबीसों घंटे उपलब्ध रहते हैं। उन्होंने कहा कि सामान्य कामकाजी घंटों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध पारंपरिक लॉकर के अलावा शाखा में हर समय रहने वाली लॉकर सुविधा भी है, जो एटीएम की तरह ही संचालित की जा सकती है।

गौतम अडाणी का परिवार देश की सबसे अमीर फेमिली बना

अंबानी परिवार को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। अडाणी समूह के चेयमैन एवं जाने-माने उद्योगपति गौतम अडाणी का परिवार रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) प्रमुख मुकेश अंबानी के परिवार को पीछे छोड़कर देश का सबसे अमीर परिवार बन गया है। हुरुन इंडिया ने 2024 की जारी अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

हुरुन इंडिया की 2024 के लिए जारी अमीरों की सूची के मुताबिक 11.6 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ 62 वर्षीय गौतम अडानी और उनके परिवार ने मुकेश अंबानी के परिवार को पीछे छोड़ते हुए अमीरों की सूची में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, मुकेश अंबानी के परिवार की कुल संपत्ति 10.15 लाख करोड़ रुपये है। अंबानी परिवार की संपत्ति में एक साल में इसमें 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

हुरुन इंडिया की ये रिपोर्ट 31 जुलाई, 2024 तक संपत्ति की गणना के आधार पर है। इस रिपोर्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक पिछले साल भारत में प्रत्येक 5 दिन में एक नया अरबपति बना है। अडाणी परिवार ने अपनी कुल संपत्ति में पिछले एक साल में 5,65,503 करोड़ रुपये जोड़ा है। गौतम अडाणी का परिवार हुरुन इंडिया की अमीरों की सूची 2024 में शीर्ष स्थान पर है, उनकी संपत्ति में 95 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो अब 11,61,800 करोड़ रुपये है। सूची के मुताबिक पिछले पांच साल में गौतम अडाणी ने शीर्ष 10 में सबसे अधिक संपत्ति वृद्धि दर्ज की है, जो हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद की चुनौतियों के बावजूद 10,21,600 करोड़ रुपये है। पिछले एक साल में अडाणी समूह की सभी कंपनियों के शेयर की कीमतों में उल्लेखनीय उछाल दर्ज हुई।

मुकेश अंबानी का परिवार हुरुन इंडिया अमीरों की सूची 2024 में 1,014,700 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर और उनका परिवार सूची में 314,000 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, वैक्सीन के निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट के मालिक साइरस एस. पूनावाला का परिवार 2,89,800 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में चौथे स्थान पर हैं, उसके बाद सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के दिलीप सांघवी 2,49,900 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

हुरुन इंडिया रिच 2024 सूची ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के अमीरों की संपत्ति में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। पहली बार इस सूची ने 1,500 का आंकड़ा पार किया है। इस रिपोर्ट में 1,539 ऐसे उल्लेखनीय व्यक्ति शामिल हैं, जिनकी कुल संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल के दाम रहे स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। देश में गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत पूर्ववत है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन गुरुवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.12 डॉलर यानी 0.15 फीसदी की बढ़कर के साथ 78.77 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.18 डॉलर यानी 0.24 फीसदी की उछाल के साथ 74.67 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर से उपलब्ध है।

भारतीय-अमेरिकी रेसर युवेन सुंदरमूर्ति ने वर्ल्ड वाइड टेक्नोलॉजी रेस-वे में जीता तीसरा स्थान

नई दिल्ली।

भारतीय मूल के युवा अमेरिकी रेसिंग स्टार युवेन सुंदरमूर्ति ने 2024 फायरस्टोन इंडी एनएक्सटी सीरीज़ सीज़न में अपना पहला पोडियम फिनिश कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। युवेन ने वर्ल्ड वाइड टेक्नोलॉजी रेस-वे की 11वीं रेस में तीसरा स्थान हासिल किया।

आठवें स्थान से शुरुआत करते हुए सुंदरमूर्ति ने असाधारण दौड़ कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया, और धीरे-धीरे मैदान में आगे बढ़ते गए। 75 लैप्स के दौरान उन्होंने एक मजबूत गति बनाए रखी और प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें तीसरा स्थान दिलाया। इस प्रश्न से सुंदरमूर्ति ने सीज़न टैली में 35 मूल्यवान अंक प्राप्त किए।

सीज़न के अपने पहले पोडियम फिनिश पर उत्साहित युवेन सुंदरमूर्ति ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह पोडियम फिनिश मेरी टीम और मुझ पर विश्वास करने वाले सभी लोगों के वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट समर्थन का परिणाम है। 2024 फायरस्टोन इंडी एनएक्सटी सीरीज में पोडियम हासिल करने वाला पहला भारतीय अमेरिकी बनना एक सम्मान की बात है। यह एक ऐसा क्षण है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। यह परिणाम एबीईएल मोटरस्पोर्ट्स के अथक प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि यह मंच आगे बढ़ने, सुधार जारी रखने और आगामी दौड़ में और भी ऊंचे लक्ष्य रखने की मेरी इच्छा को बढ़ावा देता है।

बारबोरा अमेरिकी ओपन से बाहर हुई

न्यूयॉर्क। चेक गणराज्य की विम्बलडन चैम्पियन रहीं बारबोरा क्रेसिकोवा अमेरिकी ओपन टेनिस के दूसरे दौर में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। बारबोरा को महिला एकल के कड़े मुकाबले में एलेना गैब्रियेला रूसे ने 4-6, 5-7 से हरा दिया। एलेना का मुकबाला अब पाउला बाडोसा से होगा। बाडोसा ने एक अन्य मैच में अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-3, 7-5 से हराया। । वहीं महिला वर्ग में गत चैम्पियन कोको गाफ ने टी मारिया को 6-4, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया है। अब उनका सामना एलिना स्वितोलिना से होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी के हौसला बढ़ाने से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की मिलती है प्रेरणा : मनु

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर रिकार्ड बनाने वाली महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा है कि 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उसका भविष्य उज्जवल है और ये बात सही निकली। मनु ने कहा कि प्रधानमंत्री पदक विजेताओं को सम्मान करने के दौरान उनका हौंसला भी बढ़ते रहते हैं जिससे खिलाड़ियों को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। मनु ने खेल दिवस पर पुरानी बातों को याद कर कहा, तब प्रधानमंत्री मोदी ने मुझसे कहा, तुम बहुत युवा हो। तुम इससे भी बड़ी सफलता हासिल करोगी और जब भी तुम्हें किसी चीज की जरूरत हो, तुम मुझसे संपर्क करना। उनके यह शब्द मेरे लिए प्रेरणा बन गये। न केवल सफलता के अवसरों पर बल्कि असफलता के दौर में भी प्रधानमंत्री साथ दिया। जब टोक्यो ओलंपिक में कुछ तकनीकी खराबी के कारण मनु पदक नहीं जीत पायीं थीं जब प्रधानमंत्री ने उन्हें प्रोत्साहित किया और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बात की। मनु ने कहा, प्रधानमंत्री ने मुझे आत्मविश्वास से भरे रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था। उनकी यह खासियत है कि वह प्रत्येक खिलाड़ी के बारे में हर बात पर नजरें बनाये रखते हैं। प्रधानमंत्री परिणाम की परवाह किए बिना हर एथलीट को प्रोत्साहित करने और उसका समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच बने ओराम , भारत दौरे में संभालेंगे जिम्मेदारी

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे को देखते हुए पूर्व ऑलराउंडर जैकब ओरम को क्रिकेट टीम का नया गेंदबाजी कोच बनाया है। ओराम सात अक्टूबर को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। ओरम ने कोच बनाये जाने पर खुश व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं टीम के साथ फिर से जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, 'एक ऐसी टीम के साथ फिर से जुड़ना जिससे मैंने खेला है और वह मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा रही है, वास्तव में सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'हाल ही में मुझे जो अवसर मिले हैं, उनसे मुझे इस बात का अंदाजा है कि यह टीम किसी ओर जा रही है और मैं आने वाले सत्रों में उस पर काम जारी रखने के लिए तैयार हूं। टीम की गेंदबाजी में नई प्रतिभाएं आ रही हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करने के लिए तैयार कर सकूंगा।

केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर डॉ. मंडाविया ने पत्रकारों से कहा कि देश के नागरिकों को फिट और स्वस्थ रहना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ नागरिक एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है और एक स्वस्थ समाज एक समृद्ध देश का निर्माण करता है। मंत्री ने कहा कि सभी नागरिकों को अपने व्यस्त कार्यक्रम से एक घंटा निकालकर अपनी रुचि का कोई एक खेल खेलना चाहिए और फिट रहना चाहिए। उन्होंने कहा, मेजर ध्यानचंद जी की जन्म जयंती को हम राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मना रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सही कहा है कि जो खेलेंगे, वो खिलेंगे। देश के नागरिक स्वस्थ रहें, स्वस्थ नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं और स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। इससे पहले डॉ. मंडाविया ने सभी नागरिकों से राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में कम से कम एक घंटे के लिए आउटडोर खेलों में भाग लेने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना भारत को एक फिट राष्ट्र बनाना है और उन्होंने नारा दिया है- खेलेगा इंडिया, खिलेगा इंडिया।

यूएस ओपन 2024

युकी भांबरी, श्रीराम बालाजी ने शुरुआती दौर के युगल मैच जीते

न्यूयॉर्क।

भारत के युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी ने यूएस ओपन 2024 टेनिस टूर्नामेंट में अपने-अपने पुरुष युगल मैचों में जीत दर्ज की है।

युकी भांबरी ने अपने फ्रांसीसी जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी के साथ सीधे सेटों में जीत हासिल की, जबकि एन श्रीराम बालाजी और अर्जेंटीना के गुइडो आंद्रेओज़ी ने बुधवार को कड़े मुकाबले में जीत हासिल कर राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया।

युकी भांबरी और अल्बानो ओलिवेटी ने 77 मिनट में अमेरिका के वाइल्डकार्ड पैट्रिक ट्रहाक और रयान सेगरमैन पर 6-3, 6-4 से जीत हासिल कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

भांबरी और ओलिवेटी ने शानदार शुरुआत की। इंडो-फ्रेंच जोड़ी ने चौथे गेम में ब्रेक जीता और अपने सभी सर्विस गेम जीतकर पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी ने दूसरे सेट में अपनी सर्विस पर अपना दबदबा बनाए रखते हुए सेट और मैच अपने नाम किया।

इस बीच, एन श्रीराम बालाजी और गुइडो आंद्रेओज़ी ने न्यूजीलैंड के मार्कस डेनियल और मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वेरेला को दो घंटे और 36 मिनट में 5-7, 6-1, 7(12)-6(10) से हराया।

पहला सेट बहुत ही करीबी रहा, जिसमें दोनों जोड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। छठे गेम में, मार्कस और मिगुएल के पास दो ब्रेक पॉइंट थे, लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया, क्योंकि सेट 3-3 पर ही रहा। टाई-ब्रेक से ठीक पहले, मार्कस और मिगुएल ने 12वें गेम में ब्रेक जीतकर सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया।

हालांकि, बालाजी और आंद्रेओज़ी ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की। उन्होंने शुरुआती तीन गेम में अपने विरोधियों की सर्विस दो बार तोड़ी और 3-0 से आगे हो गए। आखिरकार उन्होंने सेट 6-1 से जीत लिया और निर्णायक सेट में प्रवेश किया। अंतिम सेट में, बालाजी और आंद्रेओज़ी के पास नौवें गेम में ब्रेक जीतकर मैच को सील करने का शानदार मौका था। हालांकि, जब दोनों मैच के लिए सर्विस कर रहे थे, तो मार्कस और मिगुएल तुरंत ब्रेक करके मैच को टाई-ब्रेकर में ले गए। कड़े मुकाबले वाले टाई-ब्रेक में, बालाजी और आंद्रेओज़ी ने अंततः 12-10 से जीत हासिल की और अगले दौर में प्रवेश किया।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप- शारूक खान 3000 मीटर स्टीपलचेज के फाइनल में

लीमा। भारत के शारूक खान ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप की हीट रेस में छठे स्थान पर रहकर 3000 मीटर स्टीपलचेज में राष्ट्रीय अंडर 20 रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। 18 वर्षीय खान ने बुधवार देर रात हीट वन में 8 मिनट 45.12 सेकंड का समय लेकर छठा स्थान प्राप्त किया और 31 अगस्त को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। दोनों हीट रेस में से प्रत्येक में पहले आठ फिनिशर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। इस स्पर्धा में पहले राष्ट्रीय अंडर-20 रिकॉर्ड राजस्थान के 19 वर्षीय राजेश के नाम था, जिन्होंने मई में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप नेशनल सीनियर चैंपियनशिप में 8:50.12 सेकंड का समय लेकर चौथा स्थान हासिल किया था। खान का इससे पहले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 8:51.75 था, जो उन्होंने पिछले साल जून में कोरिया में एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप में रजत पदक जीतते हुए बनाया था। यह उस समय का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी था, लेकिन राजेश ने इसे बेहतर बनाया। एक अन्य भारतीय जय कुमार ने 46.96 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ सेमीफाइनल हीट रेस में तीसरा स्थान हासिल कर पुरुषों की 400 मीटर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली।

नवनियुक्त आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद की जयंती) के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं।

द विजार्ड के नाम से विख्यात ध्यानचंद ने 1925 से 1949 तक भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया और अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान सेंटर फॉरवर्ड के रूप में खेले गए 185 मैचों में 1500 से अधिक गोल किए, जिसमें 1928, 1932 और 1936 में जीते गए तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्हें 1956 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया और 29 अगस्त को उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नव निर्वाचित आईसीसी अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस राष्ट्रीय खेल दिवस पर, मैं हमारे एथलीटों, कोचों और उन सभी लोगों की हार्दिक सराहना करता हूं जिन्होंने अपना जीवन खेलों के लिए समर्पित कर दिया है। जैसा कि हम मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर उनकी विरासत का सम्मान करते हैं, आइए हम भारत को वैश्विक खेल मंच पर एक महाशक्ति बनाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें।

इससे पहले मंगलवार को जय शाह को निर्विरोध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का अगला अध्यक्ष चुना गया। शाह, जिन्होंने अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई सचिव और जनवरी 2021 से एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है, 1 दिसंबर 2024 को यह प्रतिष्ठित भूमिका ग्रहण करेंगे। आईसीसी की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, मौजूदा अध्यक्ष ग्रेग बार्कले द्वारा तीसरा कार्यकाल न लेने का निर्णय लेने के बाद शाह अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नामांकित व्यक्ति थे।

गुजरात बाढ़ के दौरान एनडीआरएफ ने क्रिकेटर राधा यादव को बचाया

नई दिल्ली।

भारत की बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने वडोदरा में बाढ़ के कारण खतरनाक स्थिति में फंसने के बाद बचाए जाने पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के प्रति आभार व्यक्त किया है।

यादव ने इंस्टाग्राम पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को उनकी मदद के लिए धन्यवाद दिया। एक वीडियो में, यादव ने अपने आस-पास की बाढ़ के दृश्य साझा किए, जिसमें बचाव कर्मियों को एक बेड़ा पर सवार होकर जलमग्न सड़कों पर चलते हुए दिखाया गया। वीडियो में लोगों को पानी से गुज़रते हुए भी दिखाया गया, जो उनके सामने आने वाली विकट परिस्थितियों को दर्शाता है।

स्थिति की गंभीरता और बचाव दल द्वारा समय पर हस्तक्षेप को उजागर करते हुए यादव ने लिखा, हम बहुत बुरी स्थिति में फंस गए थे। हमें बचाने के लिए एनडीआरएफ का बहुत-बहुत धन्यवाद। गुजरात में हाल ही में आई बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है, जिसमें 28 लोगों की जान जाने की पुष्टि हुई है और लगभग 18,000 अन्य लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है। लगातार हो रही बारिश ने पूरे समुदाय को जलमग्न कर दिया है, जिससे बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण लेकिन महत्वपूर्ण हो गया है। आगामी 2024 महिला टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम का अहम हिस्सा रहीं यादव जल्द ही अपना ध्यान क्रिकेट पर केंद्रित करेंगी। टूर्नामेंट 3 अक्टूबर से शुरू होने वाला है, जिसमें भारत को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा। उन्हें आखिरी बार महिला एशिया कप के दौरान खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में तीन विकेट लेकर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला था।

जूडो प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाया हुनर

मुरादाबाद।

क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार ने बताया कि खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के निर्देशानुसार स्व. मेजर ध्यान चन्द के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को बालक/बालिका वर्ग की जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

बालिका वर्ग 25 किलोभार में प्रथम तनविका, द्वितीय मायरा, तृतीय मानवी रहीं। प्लस 30 किलो में प्रथम मान्या, द्वितीय स्थान हिमांशी, प्लस 35 किलो में प्रथम स्थान लगन, द्वितीय स्थान कविता व तृतीय स्थान परी और रोनक का रहा। प्लस 40 किलो में प्रथम सुहानी द्वितीय कर्निका तृतीय राधिका व तनवी रही। प्लस 50 किलो में प्रथम स्थान पर लकी, प्लस 55 किलो में प्रथम मुन्नी चौधरी, द्वितीय ख्याति, बालक वर्ग प्लस प्रथम स्थान कार्तिक, द्वितीय रुद्राक्ष हिमांशु द्वितीय आदित्य तृतीय रूद्राक्ष प्लस 30 किलो प्रथम स्थानआयुषमान तृतीय यश प्लस 35 किल प्रथम स्थान अभिनव द्वितीय स्थान अर्थव तृतीय स्थान विराट प्लस 40 प्रथम यश तृतीय, हर्षित अभिनव प्लस 50 किलो प्रथम आयुष द्वितीय अर्पित तृतीय, आशु प्लस 55किलो में प्रथम आदित्य द्वितीय सत्यम तृतीय शुभ दुष्यन्त रहे।

निर्णायक मंडल में रुचि अग्रवाल, प्रिया दिवाकर, निशान्त, पिन्टू सैनी, अंजलि, श्रद्धा रही। प्रतियोगिता का उद्घाटन सुहेल अहमद, सचिव जूडो ब्लाइन्ड पेरानार्मल जूडो संस्था ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। पुरस्कार वितरण क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी प्रेम कुमार ने किया। इस अवसर पर सचिन विश्नोई फुटबाल प्रशिक्षक, ललिता चौहान एथलेटिक्स प्रशिक्षक, नेहा हॉकी प्रशिक्षक, मौ आसिफ सिद्दीकी बैडमिन्टन प्रशिक्षक, निशा वालीबाल प्रशिक्षक, सीएल वर्मा, प्रदीप सक्सैना, नरेश पाल आदि उपस्थित रहे।

आतिशी पारी खेलने के बाद मयंक गुसाईं ने कहा- अभ्यास से किया मुमकिन

नई दिल्ली।

अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपने पिछले मैच में शानदार जीत दर्ज करने वाली पुरानी दिल्ली 6 के बल्लेबाज मयंक गुसाईं के अनुसार डेथ ओवरों में छक्के लगाना काफी आसान था। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों में 40 रन बनाए।

पुरानी दिल्ली 6 ने मंगलवार को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 20 रन से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग में अपनी तीसरी जीत दर्ज की थी। पुरानी दिल्ली 6 को 190 रन के आंकड़े तक पहुंचाने में मयंक की पारी ने अहम भूमिका निभाई।

डेथ ओवरों में अपनी बल्लेबाजी को लेकर मयंक ने एक बयान में कहा, छक्के जड़ना मुश्किल नहीं था, मैंने इसके लिए बहुत अभ्यास किया है और मुझे खुशी है कि कल का दिन अच्छा रहा। मैं खुद को एक अच्छा फिनिशर मानता हूं और टीम में भी मुझे यही भूमिका दी गई है। मैं चीजों को सरल रखता हूं और बस गेंद को अच्छे से देखकर उसे मारता हूं।

उन्होंने आगे कहा, हां टीम को वह गति मिल गई है जिसकी हमें सबसे ज्यादा जरूरत थी। सभी लड़के अच्छे फॉर्म में दिख रहे हैं। देखा जाए तो सब कुछ वास्तव में अच्छा चल रहा है, अब हमें बस अगले गेम का इंतजार है।

मैच की बात करें तो अर्पित राणा, 42 (26 गेंद) और सनथ सांगवान ने 47 (28 गेंद) रनों की धुएंधार पारी खेली तो मयंक गुसाईं ने 5 छक्के लगाकर पुरानी दिल्ली 6 को 20 ओवरों में 192 तक पहुंचने में मदद की। वहीं आयुष सिंह ने टीम के लिए पांच विकेट झटके। पुरानी दिल्ली 6 के लिए यह जीत बेहद जरूरी थी। फिलहाल टीम 6 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। उनका अगला मुकाबला आज शाम ईस्ट दिल्ली राइडर्स से होगा।

विराट और रोहित को आराम दिया जाना सही नहीं : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व किकेटर संजय मांजरेकर अपने बयानों के कारण विवादों में रहते हैं। अब मांजरेकर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर ही सवाल उठा दिया। मांजरेकर ने कहा कि जिस प्रकार बोर्ड ने विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को दलीप ट्रॉफी से आराम दिया है। वह सही नहीं है। दलीप ट्रॉफी अगले माह 5 सितंबर से शुरु हो रही है और इसमें कई खिलाड़ी खेल रहे है पर विराट , रोहित और बुमराह को इससे बाहर रहने की अनुमति मिली है। मांजरेकर ने सोशल मीडिया में कहा कि देश के अनुभवी खिलाड़ी तकरीबन 60 फीसदी मैच ही खेलते हैं। इसलिए उन्हें घरेलू क्रिकेट में उतरना चाहिए था। उन्होंने कहा , 'भारत ने पिछले 5 साल में 249 मैच खेले हैं। रोहित ने इनमें से 59 फीसदी और विराट ने 61 फीसदी मैच ही खेले हैं। वहीं बुमराह ने तो 34 फीसदी मैच ही खेले हैं। मुझे लगता है कि इन तीनों को ही पर्याप्त आराम मिलता रहा है। इसलिए इन्हें दलीप ट्रॉफी की टीम में चुना जा सकता था।' मांजरेकर के इस पोस्ट के बाद प्रशंसक भी रोहित और विराट के खेलने या नहीं खेलने को दो खेमों में बंट गये। कुछ प्रशंसक ने लिखा कि विराट-रोहित को खेलना चाहिए था तो कुछ ने उनके आराम को सही बताया।

युवाओं में बढ़ रहा फैशन का क्रेज

फैशन को लेकर युवा पीढ़ी कुछ ज्यादा ही संजीदा है। वक्त के साथ बदलते फैशन पर यह पीढ़ी न सिर्फ नजर रखती है बल्कि उसे अपनाने में भी देर नहीं करती। फैशन को लेकर युवा वर्ग में बड़ा क्रेज है। साथ ही खुद के लुक को स्मार्ट बनाने के लिये गंभीर भी। समय बदलने के साथ फैशन ट्रेड पर नजर रखना और उसे अपनाने की हो में यह सबसे आगे रहती है। टीवी सीरियल या सिनेमा में कोई भी नया फैशन आया नहीं कि युवाओं को इसे अपनाने में देर नहीं लगती। जाहिर सी बात है कि समाज में अपने आप को बनाये रखने के लिये जमाने के साथ चलना है। इस बात का भी डर है कहीं पिछड़े न जायें। युवक हों या युवतियां बाइक, कार, कपड़ों के साथ मैचिंग के जूते, चप्पल, हेयर कट, पर्स, हेयर पिन, ज्वैलरी आदि बहुत सी चीजें हैं। जिसे लेकर युवा दीवानगी की हद तक गुजर जाने को तैयार रहते हैं। कि युवाओं में आजकल जींस का का क्रेज बहुत ज्यादा है। लड़के चेकदार और ब्राइट कलर के शर्ट अधिक पसंद कर रहे हैं। व्यवसाई नीरज कुमार गुप्ता का कहना है कि युवकों में डिजाइनदार और लेटेस्ट स्पोर्ट शू की मांग ज्यादा है। फैशन के हिसाब से मांग बढ़ती और घटती रहती है। सब्जी मंडी के कपड़ा व्यवसाई चंद्रपकाश गुप्ता का कहना है । कि युवाओं की मांग फैशन के हिसाब से होती है। लड़के हों या लड़कियां जींस की मांग सबसे ज्यादा है। साथ ही लड़कियों में लेगीज कुर्ती की भी खूब मांग है। उन्होंने बताया कि अक्सर ऐसा होता है कि बाजार में नए डिजाइन आते ही मांग शुरू हो जाती है।

युवाओं के लिये जरुरी फैशन टिप्स

ढंग से कपड़े पहने पुरुषों की ओर ना केवल लड़कियां बल्कि खुद पुरुष भी अक्सर आकर्षित हो जाते हैं। सलीके से कपड़े पहनने पर इंसान के चरित्र का पता चलता है, खासतौर पर पुरुषों का। कई बार ऐसा होता है कि पुरुष अपने कपड़े पहनने के ढंग पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते और फैशन तथा ड्रेसिंग को महत्व नहीं देते। आज हम आपको इस आर्टिकल में पुरुषों के फैशन और कपड़े पहनने के ढंग के बारे में जानकारी देगें। अगर आप सही प्रकार, रंग और ढंग के कपड़े पहनेगें तो आपके अंदर एक अलग सा ही आत्मविश्वास आएगा। तो चलिये जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण जरुरी फैशन टिप्स।

कपड़ों का चुनाव - पुरूषों को ढीले कपड़े नहीं पहनने चाहिये। आपको ऐसे कपड़े पहनने चाहिए जो आपके ऊपर अच्छे से फिट हों।

कपड़ों का रख-रखाव - हो सकता है कि किसी दिन आपको ऑफिस जाने के लिये देरी हो रही हो और आप सिकुड़े हुए कपड़े पहन लें। इससे आपकी बुरी छाप लोगों पर पड़ेगी। अपने कपड़ों को साफ-सुथरा और मेंटेन कर के रखें।

सादगी - लोगों को कई बार गलतफहमी हो जाती है कि चमकदार कपड़े पहनने से दूसरे लोग उन्हें बहुत पसंद करेगें। यह लोगों का ध्यान खींचने में मदद तो करता है पर गलत ढंग से। इसलिये हमेशा सिंपल और साफ-सुथरे रहें।

पुराने कपड़ों से तौबा करें- कई पुरुषों की आदत होती है कि वह एक ही कपड़े को कई बार पहनते हैं। यह कोई अच्छी बात नहीं है। पुराने और फेड हो चुके कपड़ों को तुरंत ही खुद से दूर कर दें।

आप पर किस रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं - अगर आपको पता होगा कि आप पर किस रंग के कपड़े अच्छे दिखते हैं, तो आप और भी ज्यादा अच्छे लग सकते हैं। अगर आप गोरे हैं तो आप पर हर प्रकार के कपड़े अच्छे लगेगें। लेकिन अगर आप का रंग दबा हुआ है तो आपको सोंच समझ कर कपड़े चुनने होगें।

युवा भी चल रहे

मेकओवर की राह पर

खुबसुरत और आकर्षक दिखना हर इंसान की चाहत होती है। यह चाहत पुरुषो से ज्यादा महिलाओ में देखी जाती है। बदलते दौर में युवाओ के साथ पुरुषो में परिधान, आभूषण और गेजेट्स के नवीनतम उत्पादो की उपयोगिता बढ़ी है। यहाँ तक की मेकओवर के लिए नियमित रूप से पुरुष भी पार्लर जाने लगे हैं। वे हेयर टैटूज, बीयर्ड डिजाईनग, बेसिक टैटूज, आइब्रोज, पीयर्सिंग करवाते हैं।

बदलते वक्त के प्रभाव में सौंदर्य के क्षेत्र से महिलाओं का एकाधिकार अब खत्म हो गया है। पुरुषों में भी बेहतर दिखने की चाह में पार्लर जाने व मेकओवर करवाने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर मल्टीनेशनल कंपनियों के कॉरपोरेट कल्चर ने युवाओं में इस शगल को जन्म दिया है। लाइफ स्टाइल ने छीना चेहरे का नूर - भले ही टीवी फिल्मों आदि के प्रभाव में युवा अपने आप को स्मार्ट व फिट दिखाना चाहते हों लेकिन एक सच यह भी है कि बदलती लाइफ स्टाइल, पॉल्यूशन लेवल, जंक फूड, क्लंबिग व पार्टी ने कम उम्र में ही चेहरे पर दुष्प्रभाव छोड़ने शुरू कर दिए हैं। मेकओवर एक्सपर्ट मानसी के मुताबिक यह कड़वा सच है कि भले ही लोगों को वर्तमान लाइफ स्टाइल भाती हो लेकिन यह स्वास्थ्य व खूबसूरती के लिए कतई ठीक नहीं है। इसी बदलाव के परिणामस्वरूप पुरुषों को खूबसूरत बने रहने के लिए मेकओवर का सहारा लेना पड़ता है।

शौक नहीं, जरूरत

शहर के सभी बड़े सलोन व पार्लर 'यूनीसेक्स' हो गए हैं। इन पार्लरों में महिलाओं की ही तरह पुरुषों को भी विभिन्न ट्रीटमेंट दिए जाते हैं। पुरुष केवल शौक के लिए ही पार्लर नहीं जाते बल्कि आज के दौर में इनकी जरूरत बन गई है । नियमित रूप से अपना सौंदर्यवर्धन करना। विभिन्न कंपनियों में अब कर्मचारियों की प्रजेंटेशन एवं उनके लुक्स पर ध्यान दिया जाता है। ऐसे में शहर में मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वाले पुरुष कर्मचारियों को भी सुंदर व हर वक्त फ्रेश नजर आना होता है।

लड़के प्री ग्रूम ट्रीटमेंट्स लेते हैं

इन बातों को ध्यान में रखते हुए अब पुरुषों को भी ग्रुम की आवश्कता महसूस होने लगी है। शादियों में लड़कियों की तरह लड़के प्री ग्रूम ट्रीटमेंट्स लेते हैं। अब सेलून जाना केवल महिलाओं का ही शौक नहीं रह गया है । बल्कि बदलते वक्त में नियमित मेकओवर व ब्यूटी ट्रीटमेंट्स लेना पुरुषों की भी जरूरत बन गई है। वे अपने लुक को बेहतर बनाए रखने के लिए मेकओवर करवाते हैं। त्वचा की देखभाल करते हैं ताकि उम्र का असर न नजर आए व वे हमेशा प्रजेंटेबल दिखें।'

खूबसूरत व प्रजेंटेबल लगें

जिसके लिए विभिन्न ट्रीटमेंट उनकी जरूरत बनते जा रहे हैं। शहर के ज्यादातर पार्लरों में इन दिनों महिला एवं पुरुषों की संख्या लगभग बराबर होती है और पुरुष भी वे तकरीबन सभी ट्रीटमेंट ले रहे हैं । जोकि महिलाएं लेती हैं। लड़कों का मानना है कि कंपनियां चाहती हैं कि कर्मचारी खूबसूरत व प्रजेंटेबल लगें। ऐसे में कई बार लड़कियों को प्राथमिकता मिल जाती है।

युवाओं के लिये सात असरदार फेस पैक

पहले ज़माने के मुकाबले पुरुष अब अपना ख्याल ज्यादा रखने लगे हैं। वो ज़माना गया जब केवल रफ एंड टफ दिखना ही पुरुषों की पहचान हुआ करता था। आज महिलाओं की तरह पुरुष भी अपनी त्वचा का अच्छा खासा ख्याल रखने लगे हैं। बात चाहे अपने बालों को नया लुक देने की हो या फिर चेहरे पर फेशियल, ब्लीच या फेस पैक लगाने की हो, पुरुष अब किसी चीज को नहीं नकारते। त्वचा की देखभाल करना केवल महिलाओं के लिये ही जरुरी नहीं है बल्कि पुरुषों को भी उतना ही ध्यान देना चाहिये। पुरुषों की त्वचा महिलाओं के मुकाबले ज्यादा कठोर होती है, जिस वजह से उस पर साधारण साबुन, लोशन और क्रीम बेअसर हो जाते हैं। पुरुषों के लिये जरुरी स्किन केयर टिप्स पुरुषों को अपनी त्वचा की रेगुलर केयर करनी चाहिये, जिसके लिये नीचे दिये जा रहे हैं कुछ घरेलू फेशियल मास्क बनाने की विधि। इन मास्क को नियमित त्वचा पर लगाने से चेहरे की खोई हुई चमक दुबारा वापस लौट आएगी।

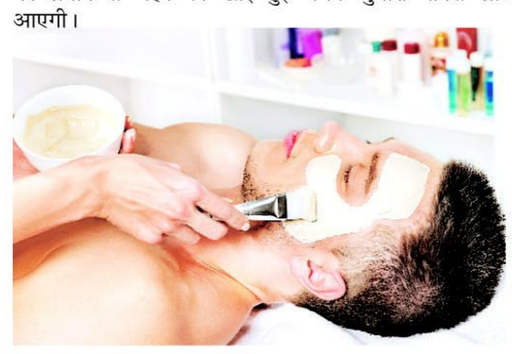

1. **दही फेस पैक** - अगर चेहरे पर बड़े पोर्स हैं तो आपको दही और उसमें थोड़ा सा नींबू का रस मिला कर चेहरे पर लगाना चाहिये। इससे चेहरे का रंग भी साफ हो जाता है। आप चाहें तो दूसरा फेस पैक भी बना सकते हैं, जिसमें दही के साथ संतरे का छोटा टुकड़ा, 1 चम्मच एलो वेरा जैल मिक्स कर के साफ चेहरे पर 10 मिनट के लिये लगाएं।
2. **ओटमील फेस पैक** - ओटमील को मिक्सर में पीस कर एक कटोरे में निकालें। फिर उसमें कुछ बूंद उबलता हुआ पानी मिला कर पेस्ट बनाएं। इसे साफ चेहरे पर लगाएं।

10-15 मिनट बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

3. **नींबू का फेस पैक** - त्वचा पर अत्यधिक तेल आता है तो आपके लिये ये फेस पैक बहुत ही अच्छा रहेगा। इस पैक को बनाने के लिये 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच नींबू और थोड़ा सा ऑलिव ऑइल मिलाएं। फिर चेहरा धो कर इसे मास्क को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 20 निट के बाद गीले कपड़े से पोछ लें।

4. **स्ट्रॉबेरी फेस पैक** - स्ट्रॉबेरी में एसिड होता है जो चेहरे से डेड स्किन को साफ कर के चेहरे को मुलायम बनाता है। आपको बस कुछ स्ट्रॉबेरी को मैश कर के उसमें 1 चम्मच ऑलिव ऑइल और 1 चम्मच शहद मिला पर चेहरे पर लगाना होगा। इससे चेहरे की सूजन भी कम हो जाती है। जब यह पैक सूख जाए तब चेहरे को धो लें।

5. **मुल्तानी मिट्टी का फेस** - मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक ऑयली चेहरे के लिये काफी अच्छा होता है। इस पैक को बनाने के लिये मुल्तानी मिट्टी के साथ एलोवेरा, शहद और अंडा का पीला भाग मिला कर पेस्ट बनाएं। फिर चेहरे को धो कर इसे लगाएं और 10 मिनट के बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

6. केले और गुलाब - यह फेस पैक चेहरे से मुहांसो का सफाया करता है और जमी हुई गंदगी निकालता है। इसे बनाने के लिये केले का पेस्ट बना कर उसमें गुलाब जल मिलाएं। आप इसमें ऑलिव ऑइल भी मिक्स कर सकते हैं। इस पैक को सूखने तक लगाएं और फिर चेहरे को पानी से धो लें।

7. **बेसन और हल्दी फेस पैक** - 1 चम्मच बेसन को दूध या गुलाबजल के साथ मिक्स कर के उसमें 2 चुटकी हल्दी पावडर मिक्स करें। फिर चेहरे पर इसे लगा कर 15 मिनट के बाद इसे धो लें। यह फेस पैक हर तरह की स्किन के लिये अच्छा होता है। बेसन से चेहरा साफ होता है और सन टैनिंग मिटती है, जिससे चेहरा गोरा बनता है।

कम हाईट वाले युवाओं के लिए ड्रेसिंग टिप्स

जिन पुरूषों की हाईट कम होती है उनमें लंबे पुरूषों की अपेक्षा आत्म - विश्वास और एटीट्यूड कम होता है क्योंकि उन्हे हर समय ऐसा लगता है कि वह छोटे है और अच्छे नहीं लगते। हालांकि, हाईट के आधार पर कोई भी इंसान अच्छा या बुरा नहीं होता है। अगर हाईट कम है तो आपके रहने का तरीका और ड्रेसिंग स्टाइल आपकी मदद कर सकता है। अच्छे तरीके से ड्रेसअप होने से आपमें आत्म - विश्वास आएगा और आपको अच्छा लगेगा। जिन लोगों की हाइट कम होती है, उन्हे चेक प्रिंट के कपड़े पहनने से बचना चाहिए, उन्हे लाइनिंग के कपड़े ज्यादा पहनने चाहिए और बैगी या लूज कपड़े कतई नहीं पहनने चाहिए। टाईट फिट और हल्के से लम्बाई में ज्यादा कपड़े ही उन पर फबेगें। पैंट या जींस हल्की ढीली पहननी चाहिए ताकि लम्बाई ज्यादा लगे। वर्टिकल लाइन और पैर्टन के कपड़े ज्यादा अच्छे लगते है। शॉर्ट हाईट के पुरूषों के लिए ऐसे ही कई अन्य ड्रेसिंग टिप्स निम्म प्रकार हैं -

वर्टिकल ओरिंएटेड पैर्टन

वर्टिकल प्रिंट या पैर्टन में व्यक्ति की कम ऊंचाई भी ज्यादा लगती है। इससे आपकी पूरी लम्बाई ज्यादा समझ में आती है। अनब्रोकन स्ट्रिप के कपड़े भी पहने जा सकते हैं। जिन कपड़ों पर टेक्सचर बना हों, उसे भी पहन सकते हैं, इससे हाईट ज्यादा समझ में आती है।

सही फिटिंग के कपड़े

ज्यादा ढीले - ढाले कपड़े पहनने से व्यक्ति और अधिक नाटा लगता है इसलिए सही फिटिंग के कपड़े पहनें। ज्यादा चुस्त कपड़े खराब लगेगें, सही फिटिंग का होना जरूरी है। अगर आपको मार्केट में आपकी फिटिंग के कपड़े नहीं मिलते है तो दर्जी से सिलवा लें।

मोनोक्रोमैटिक कलर

कम हाईट वाले लोग विपरीत और चटक रंगों के कपड़े कतई न पहनें। ऐसे लोगों को मोनोक्रोमैटिक कलर के कपड़े पहनने चाहिए। हमेशा उन रंगो के कपड़े पहने जो आपकी बॉडी को अच्छा दिखाएं और आपकी हाईट भी अच्छी प्रदर्शित करें। कपड़ों की कलर थीम का चयन सोच समझ कर करें। डार्क कलर के कपड़े कम ही पहनें।

स्मॉलर प्रपोशन

कम हाईट होने पर आप जो भी कपड़े पहनें, उनका स्मॉलर प्रपोशन होना चाहिए। अपर बॉडी के कपड़ों जैसे - शर्ट, जैकेट आदि का चुनाव सोच समझ कर अपनी हाईट के हिसाब से करना चाहिए।

करेक्ट क्लोथिंग

सही तरीके के कपड़े भी आपकी पर्सनालिटी और हाईट को अच्छा दिखाते है। जैसे - अगर आपकी हाईट कम है तो स्पोर्ट जैकेट या सूट जैकेट पहन सकते हैं, इससे ऊंचाई ज्यादा समझ में आती है। कमर की ऊंचाई से पैंट बांधे। लो वेस्ट न पहनें।

कुछ और ऊंचाई जोड़ लें

हाईट कम होने पर आप किसी भी कपड़े को ठीक नाप न पहनकर थोड़ा सा ज्यादा लम्बा पहनें। पैंट आदि को लम्बा बनवाएं और चाहें तो हील शूज पहन लें। आप चाहें तो थिकर प्लेटफॉर्म शूज आदि को भी पहन सकते है। इस तरीके से आपकी हाईट कुछ इंच जरूर बढ़ जाएगी।

युवकों में बढ़ता बेहतर लुक का क्रेज

बेहतर लुक का क्रेज आज सिर्फ युवतियों में ही नहीं युवकों में भी पाया जाने लगा है बल्कि युवकों में यह बेहद तेजी से बढ़ रहा है. बेहतर लुक और खूबसूरत दिखने के ट्रैंड का एक मुख्य कारण है अधिक पैसा कमाने की चाह और बदलता लाइफस्टाइल. आज इस आपाधापी भरी जिंदगी में अधिक पैसा कमाने की चाह होना गलत नहीं बल्कि इस चाह को पूरा करने के लिए इस फैशन के दौर में यह जरूरी भी है कि युवा अपने लुक को ले कर लापरवाही न बरतें और खुद को स्मार्ट बनाएं.

आज युवक भी ऐसे प्रोडक्ट और मेकअप टिप्स की तलाश में रहते हैं, जिन से स्टाइलिश और खूबसूरत दिखें. जानिए ऐसे ही कुछ मेकअप टिप्स के बारे में

मेकअप से पहले : युवकों को चाहिए कि वे मेकअप करने से पहले शेव जरूर कर लें. इस से उन्हें आकर्षक लुक मिलेगा. इस के बाद स्क्रब को हलके हाथों से त्वचा पर रगड़ते हुए कुनकुने पानी से चेहरा धो लें. शेविंग के कुछ समय बाद चेहरे को फेसवाश या स्क्रब से साफ करें, जिस से त्वचा में जलन महसूस न हो.

त्वचा में पीएच बैलेंस : त्वचा में पीएच बैलेंस बनाए रखने के लिए अच्छी कंपनी का टोनर लगाएं. त्वचा को कोमल बनाए रखने के लिए मौइश्चराइजर लगाना न भूलें.

आंखों के नीचे काले घेरे : कई बार युवकों की आंखों के नीचे काले घेरे हो जाते हैं, जिन्हें छिपाने के लिए वे कंसीलर का इस्तेमाल कर सकते हैं. चेहरे की झाइयों, दागधब्बों, मुहांसों को छिपाने के लिए आप फाउंडेशन लगा सकते हैं. पसीना आने पर मेकअप खराब न हो इसलिए वाटरप्रूफ फाउंडेशन लगाएं.

नैचुरल लुक, चमकदार त्वचा : नैचुरल लुक और चमकदार त्वचा के लिए टिंटेड मौइश्चराइजर युवकों के लिए सब से अच्छा विकल्प है. यह धूप से बचाने के साथ ही त्वचा को मुलायम भी रखता है. चमकदार होंठों को कोमल व चमकदार बनाए रखने के लिए लिप बाम जरूर लगाएं.

तैलीय त्वचा : तैलीय त्वचा का तेल कम करने के लिए कौंपैक्ट पाउडर लगाएं. यह आप की त्वचा का रंग हलका करने के साथ ही पसीना, चिपचिपापन हटाता है, जिस से आप फ्रैश फील करते हैं. आप मानें या न मानें लेकिन युवतियों को प्रभावित करने के लिए सिर्फ अच्छा लुक ही काफी नहीं है बल्कि अपनी त्वचा का खयाल रखना भी उतना ही जरूरी है. इस सीजन में जितना जरूरी युवतियों के लिए अपनी त्वचा की देखभाल है, युवकों के लिए भी उन की त्वचा की देखभाल उतनी ही जरूरी है. ऐसे में युवक लुक में जान डालने वाले इन उपायों पर जरूर गौर करें.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**